UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-250 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) रविवार 23 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी का गैंगस्टर एक्ट 'मरा हुआ कानून' है; सुप्रीम कोर्ट ने क्यों की यह सख्त टिप्पणी?

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के गलत इस्तेमाल पर सख्त रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 1986 का यह कानून 'मरा हुआ (निष्प्रभावी)' है. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को सिर्फ 'गैंगस्टर' का ठप्पा या टैग लग जाने की वजह से सजा नहीं दी जा सकती.

यह फैसला गुरुवार को जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने सुनाया. पीठ ने अपने फैसले की शुरुआत में मशहूर अंग्रेजी लेखक जॉर्ज ऑरवेल के एक कथन को शामिल किया, जिसमें कहा गया है, 'जो लोग हिंसा का त्याग करते हैं, वे ऐसा केवल इसलिए कर पाते हैं क्योंकि दूसरे उनकी ओर से हिंसा कर रहे होते हैं.' पीठ ने इस बात पर ध्यान दिया कि भले ही इस कानून को हिंसा और संगठित अपराध पर लगाम लगाने के लिए बनाया गया था, लेकिन इसका इस्तेमाल उतनी ही आसानी से निर्दोष नागरिकों के खिलाफ भी किया जा सकता है. फैसले को खत्म करते हुए पीठ ने कहा- 'मामले को समाप्त करने से पहले, हम शुरुआत में इस्तेमाल किए गए जॉर्ज ऑरवेल के उसी कथन का सहारा लेते हुए यह पाते हैं कि जिस कानून की हम समीक्षा कर रहे हैं, वह हिंसा को रोकने के बहाने असल में निर्दोष नागरिकों पर ही हिंसा को बढ़ावा दे रहा है.' पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के इस कानून में जो बात साफ तौर पर गायब है, वह एक ऐसा प्रावधान है जो यह तय करे कि इस कानून के तहत कोई अपराध कैसे बनता है. पीठ ने कहा- 'पहले एक गैंग को परिभाषित किया गया, जिसमें उप-धारा (द्व) से (××1) के तहत आने वाले अपराध शामिल हैं, और फिर गैंगस्टर को गैंग के सदस्य, नेता या आयोजक के रूप में परिभाषित किया गया. इसके बाद, कानून द्वारा कोई नया अपराध तय किए बिना ही सीधे गैंगस्टर के लिए सजा तय कर दी गई; यही कमी इस दंडात्मक कानून को 'मरा हुआ (यानी शुरुआत से ही बेकार)' बनाती है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आपराधिक गिरोहों के खतरे को रोका जाना चाहिए, लेकिन सिर्फ मकसद सही होने से गलत तरीका सही नहीं हो जाता, खासकर ऐसा दंडात्मक कानून बनाते समय जो नागरिकों की आजादी में दखल देता हो. पीठ ने कहा कि इस अधिनियम के प्रावधानों के कारण आरोपी को बिना मुकदमे के लंबे समय तक जेल में रखा जा सकता है, जो कि प्रिवेंटिव डिटेंशन (निवारक नजरबंदी) के कानून जैसा ही है. पीठ ने कहा, 'यदि प्रिवेंटिव डिटेंशन के कानून के साथ तुलना करके देखा जाए, तो उत्तर प्रदेश का यह कानून न्यायिक विवेक को संतुष्ट करने में पूरी तरह नाकाम रहता है. एक न्यायिक अधिकारी के सामने चलने वाले इस मुकदमे में, मुख्य अपराध के साथ-साथ आरोपी के स्टेटस (यानी उसके गैंगस्टर होने या न होने) की भी जांच की जाती है. यह तरीका बेहद त्रुटिपूर्ण और अपर्याप्त है, क्योंकि जैसे ही किसी का स्टेटस 'गैंगस्टर' तय होता है, उसे अनिवार्य रूप से सजा दे दी जाती है.' पीठ ने ये टिप्पणियां दो वकीलों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1986 के तहत दर्ज एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए कीं. बता दें कि उत्तर प्रदेश गैंगस्टर और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम एक विशेष राज्य कानून है. इसे संगठित अपराध करने वाले गिरोहों, आपराधिक गैंगों और लगातार अपराध करने वाले असामाजिक तत्वों पर नकेल कसने, उन्हें नियंत्रित करने और सजा देने के लिए बनाया गया था.

अखिलेश यादव तुरंत माफी मांगें, जयंत चौधरी को मिल गया मायावती का साथ, यूपी चुनाव से पहले ये क्या हुआ?

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश की राजनीति में इन दिनों 'चवन्नी-रुपया' विवाद खूब गरमाया हुआ है. समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर राष्ट्रीय लोक दल और भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया सामने आ चुकी है.

यहां तक कि जयंत चौधरी खुद भी पलटवार कर चुके हैं. अब आरएलडी प्रमुख को बहुजन समाजवादी पार्टी की चीफ मायावती का साथ मिल गया है. उन्होंने सपा मुखिया को माफी मांगने को कहा है. अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाता दिख रहा है.मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर समाजवादी पार्टी पर 6 बड़े आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा, 'समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख द्वारा अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल व उस पार्टी के नेता, केंद्रीय मंत्री के बारे में चवन्नी से रुपया बनाने वाला बयान देना पूरी तरह से अमर्यादित, अशोभनीय व अति-शर्मनाक है तथा इस प्रकार की अहंकारी व अलोकतांत्रिक बयानबाज़ी के लिए उन्हें उस पार्टी से व उनके नेता से ही नहीं बल्कि स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के परिवार और जाट समाज का अपमान करने के लिए तुरंत माफी मांगनी चाहिए.'उन्होंने आगे

कहा कि वैसे देश की राजनीति में सपा का चाल, चरित्र व चेहरा अपने विरोधी पार्टियों के लिए ही नहीं बल्कि अपने सहयोगियों के लिए भी हमेशा से राजनीतिक संकीर्णता व जातिवादी द्वेष आदि से ग्रसित और अप्रिय-अविश्वसनीय ही रहा है, जिस कारण इसका राजनीतिक एवं चुनावी लाभ भी अक्सर मौकों पर भाजपा ही उठाती रही है और सेक्युलर ताकतें कमजोर होती रही हैं.बसपा मुखिया ने कहा कि सपा के अहंकारी रवैये की वजह से पहले भी गठबंधन टूट चुके हैं. उन्होंने 1993 में सपा-बसपा गठबंधन टूटने का जिक्र करते हुए 2 जून 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड को याद किया. कहा कि बाद में अखिलेश यादव ने पुरानी गलतियां न दोहराने का भरोसा देकर बसपा के साथ लोकसभा चुनाव में गठबंधन किया, लेकिन चुनाव नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं आने के बाद सपा का रवैया फिर बदल गया और गठबंधन टूट गया. उन्होंने कहा कि बसपा अपने सिद्धांतों और डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्मसम्मान की विचारधारा से समझौता नहीं कर सकती.उन्होंने कहा कि अब संक्षेप में यही कहना है कि यह पार्टी (सपा) गठबंधन के मामले में केवल अपना काम निकालना जानती है और अपना काम निकलते ही फिर यह पार्टी गिरगिट की तरह अपना रंग बदल लेती है तथा दूसरी पार्टी के बारे में अनाप-शनाप भाषा का भी खूब इस्तेमाल करती रहती है, जो कि यह सपा का पुराना रवैया है. ऐसे में सर्वसमाज के लोग सपा की संकीर्ण व जातिवादी राजनीति से जरूर सावधान रहें. उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही, यह बात भी जग-जाहिर है

लघु सिंचाई के जबरदस्त भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली 'यंग भारत' की खबर का असर

खबर छपते ही ऊपर से आया दबाव तो अपने बचाव में लघु सिंचाई के लूट खोर अभियंता जुटे हैं शिकायत कर्ताओं को पटाने और डराने में

ईमानदार, पारदर्शी और जवाबदेह सरकार चलाने के वादे के साथ सत्ता पर काबिज भाजपा के राज में चरम दर्जे की लूट खसोट, सुनवाई कोई नही

- लघु सिंचाई मंत्री स्वतंत्रत देव के जनपद जालौन में जब इतनी बदतर हालत है तो पूरे प्रदेश में क्या होगा हाल
- जालौन में चेकडैम, नलकूप समेत विभिन्न कार्यों में करोड़ों की अनियमितताओं के आरोप, कई जांच कमेटियां बनने के बावजूद कार्रवाई और जांच रिपोर्ट सार्वजनिक न होने पर उठे सवाल
- आरटीआई के जरिए सूचना मांगने वालों को भी कथित रूप से दबाव में लेने का आरोप, सहायक अभियंता सुरेंद्र सिंह जादौन पर शिकायतकर्ताओं को धमकाने के आरोप
- शिकायतकर्ताओं ने शासन स्तर पर निष्पक्ष जांच की मांग की, तीन वर्षों के कार्यों की उच्चस्तरीय जांच होने पर बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं सामने आने का दावा
- सवाल यह कि जांच कमेटियां बनीं तो रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं हुई? क्या विभागीय अधिकारियों को उच्च स्तर से संरक्षण प्राप्त है?

(प्रधान सम्पादक)
(यंग भारत न्यूज)

जालौन/उरई। जनपद जालौन के लघु सिंचाई विभाग में कथित वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को लेकर शिकायतों का सिलसिला लगातार जारी है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जिलाधिकारी स्तर से समय-समय पर विभाग के विभिन्न मामलों की जांच के लिए कई जांच कमेटियों का गठन किया गया, लेकिन अभी तक किसी भी जांच का निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया। यही नहीं, आरोप है कि जांच अधिकारियों को विभागीय अभिलेखों एवं संबंधित कार्यों का स्वतंत्र रूप से सत्यापन करने में भी अपेक्षित सहयोग नहीं दिया गया। इससे विभाग की कार्यप्रणाली और जांच प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि विभाग में सब कुछ नियमानुसार हुआ है तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने में किसी प्रकार की हिचक नहीं होनी चाहिए। वहीं, लगातार शिकायतों के बावजूद जांच के परिणाम सामने नहीं आने से यह आशंका बढ़ रही है कि कहीं विभागीय स्तर पर गंभीर अनियमितताओं को दबाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता सुरेंद्र सिंह जादौन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि विभाग से संबंधित शिकायत करने वाले लोगों तथा सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के तहत सूचनाएं मांगने वाले आवेदकों पर शिकायत वापस लेने अथवा सूचना मांगने से पीछे हटने के लिए कथित रूप से दबाव बनाया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने शासन और उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोप सही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

आरटीआई आवेदकों पर दबाव का आरोप

शिकायतकर्ताओं के अनुसार लघु सिंचाई विभाग से जुड़े कार्यों, भुगतान, टेंडर, कार्यदायी संस्थाओं, चेकडैम, नलकूप और अन्य योजनाओं से संबंधित अभिलेखों की जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई है। उनका आरोप है कि इन सूचनाओं के माध्यम से यदि विभागीय कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आती है तो कथित अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है। इसी वजह से सूचना मांगने वाले लोगों को भी कथित तौर पर दबाव में लेने का प्रयास किया जा रहा है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाएं निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है। यदि सूचना देने में अनावश्यक देरी या बाधा उत्पन्न की जाती है तो इससे पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

तीन वर्षों के कार्यों की जांच की मांग

शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि पिछले तीन वर्षों में लघु सिंचाई विभाग द्वारा कराए गए सभी कार्यों की उच्चस्तरीय और स्वतंत्र जांच कराई जाए। उनका दावा है कि चेकडैम, नलकूप तथा अन्य निर्माण एवं विकास कार्यों में यदि तकनीकी, वित्तीय और भौतिक सत्यापन कराया जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि विभाग में कार्यों की स्वीकृति से लेकर टेंडर, भुगतान और मौके पर कार्य की गुणवत्ता तक कई स्तरों पर जांच की आवश्यकता है। उनका कहना है कि केवल कागजी अभिलेखों के आधार पर जांच पूरी करने के बजाय मौके पर जाकर कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाना चाहिए।

जांच कमेटियों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि जिला प्रशासन द्वारा विभाग की शिकायतों पर जांच कमेटियों का गठन किया गया था तो उनकी रिपोर्ट का क्या हुआ? क्या जांच पूरी हुई अथवा अभी लंबित है? यदि जांच पूरी हो चुकी है तो रिपोर्ट में क्या निष्कर्ष निकला और दोषी पाए गए अधिकारियों अथवा कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई? जांच प्रक्रिया को लंबित रखने से न केवल शिकायतकर्ताओं का विश्वास प्रभावित होता है बल्कि यदि कहीं सरकारी धन के दुरुपयोग का मामला है तो उसकी वसूली और दोषियों पर कार्रवाई भी प्रभावित हो सकती है।

किसानों के हित प्रभावित होने का आरोप

लघु सिंचाई विभाग की योजनाओं का सीधा संबंध किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों से है। ऐसे में यदि चेकडैम, नलकूप अथवा सिंचाई से संबंधित योजनाओं में अनियमितता होती है तो उसका सीधा असर किसानों पर पड़ता है। उनका आरोप है कि समय रहते शिकायतों की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई नहीं होने से किसानों के हित प्रभावित हो सकते हैं तथा सरकारी धन के संभावित दुरुपयोग की स्थिति बनी रह सकती है।

शासन से निष्पक्ष जांच की मांग

मामले को लेकर शिकायतकर्ताओं ने जिला स्तर के अधिकारियों के अलावा शासन स्तर पर भी शिकायत कर निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने की बात कही है। उनका कहना है कि जांच ऐसी एजेंसी या अधिकारी से कराई जाए, जो स्थानीय विभागीय अधिकारियों के प्रभाव से पूरी तरह स्वतंत्र हो। साथ ही पिछले तीन वर्षों के सभी कार्यों का तकनीकी, वित्तीय और भौतिक सत्यापन कराया जाए। यदि आरोप निराधार हैं तो जांच से स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो सरकारी धन की वसूली के साथ जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों अथवा संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकेगी।

जवाबदेही का इंतजार

लघु सिंचाई विभाग को लेकर उठ रहे आरोपों के बीच अब निगाह जिला प्रशासन और शासन स्तर के अधिकारियों पर है। जांच कमेटियों के गठन के बावजूद रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होने और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण न होने से कई सवाल अनुत्तरित हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते शिकायतों की निष्पक्ष जांच होती, आरटीआई आवेदकों को निर्धारित समय में सूचना मिलती और दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई होती तो कथित अनियमितताओं को बढ़ने से रोका जा सकता था। फिलहाल यह आरोप जांच का विषय हैं। विभागीय अधिकारियों का पक्ष और जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शिकायतों में लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। ऐसे में निष्पक्ष जांच कराकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करना ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने लाने का सबसे प्रभावी रास्ता माना जा रहा है।

पहले घंटों फोन पर बातें, फिर अचानक दोनों लापता. आगरा में 38 साल की लेडी टीचर के साथ फरार हुआ 16 का नाबालिग छात्र

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश के आगरा में 16 साल के नाबालिग छात्र और उसे ट्यूशन पढ़ाने वाली 38 साल की टीचर के साथ लापता होने से पुलिस के सामने बड़ा सवाल खड़ा हो गया.

मामला सामने आते ही पुलिस ने जांच का पहिया तेजी से घुमाया और मोबाइल लोकेशन से लेकर रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी तक खंगाल डाले.कई दिनों की मशक्कत के बाद छात्र को नोएडा और शिक्षिका को मथुरा से सुरक्षित बरामद कर लिया गया. दोनों के साथ घर से निकलने की वजह को लेकर अलग-अलग बातें सामने आई हैं. मामला आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र का है. 16 साल का छात्र जो, 11वीं कक्षा में पढ़ता है धांधूपुरा इलाके में 38 साल की टीचर से ट्यूशन पढ़ता था. परिवार के मुताबिक, 4 अगस्त को छात्र स्कूल प्रोजेक्ट से जुड़े काम के लिए करीब तीन हजार रुपये लेकर घर से निकला था. नाबालिग छात्र ने अपनी साइकिल एक दोस्त के घर खड़ी कर दी. परिवार को लगा कि वह स्कूल या प्रोजेक्ट के सिलसिले में गया होगा, लेकिन काफी देर बाद भी वापस नहीं आने पर घरवालों को चिंता हुई. परिजनों ने रिश्तेदारों और दोस्तों से पूछताछ शुरू की, मगर कोई

सुराग हाथ नहीं लगा. छात्र की तलाश के दौरान परिवार को पता चला कि उसकी ट्यूशन टीचर भी अपने घर पर नहीं हैं. शिक्षिका विवाहिता हैं और उनके दो बच्चे हैं. एक नाबालिग छात्र और उससे करीब 22 साल बड़ी शिक्षिका के एक साथ गायब होने की जानकारी सामने आते ही मामला और गंभीर हो गया. छात्र के परिजनों ने ताजगंज थाने में शिकायत दी. पुलिस ने नाबालिग के लापता होने के मामले में अपहरण की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की. वहीं टीचर के पति ने भी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई. पुलिस ने दोनों के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल खंगाली. जांच में उनके बीच लंबे समय तक बातचीत होने की जानकारी सामने आई. इसके बाद पुलिस ने संभावित रास्तों और स्थानों के सीसीटीवी फुटेज चेक किए. इसी दौरान आगरा कैंट रेलवे स्टेशन की फुटेज में दोनों ट्रेन में सवार होते नजर आए. बस, यहीं से पुलिस को बड़ा क्लू मिल गया और रेलवे रूट के आधार पर तलाश तेज कर दी गई.जांच के दौरान सामने आया कि छात्र पहले ग्वालियर पहुंचा और फिर बयाना होते हुए कैलादेवी तक गया. इसके बाद दोनों अलग-अलग शहरों में चले गए. पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस और मोबाइल लोकेशन की मदद से तलाश जारी रखी. कई दिनों की भागदौड़ के बाद छात्र नोएडा और लेडी टीचर मथुरा में मिलीं. दोनों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया और बाद में परिजनों के हवाले कर दिया गया. पूछताछ में शिक्षिका ने पुलिस को बताया कि छात्र पढ़ाई को लेकर घर में डांट से परेशान था और कई बार उनके सामने रोता था. 4 अगस्त 2026 को छात्र ने फोन कर आत्महत्या करने की बात कही थी. शिक्षिका का दावा है कि उसे रोकने के लिए वह अपने साथ ले गईं. उन्होंने पुलिस को बताया कि बाद में उन्हें अपने फैसले का एहसास हुआ, लेकिन घर लौटने का साहस नहीं जुटा पा रही थीं. पुलिस ने दोनों के बयान दर्ज किए हैं. पुलिस के मुताबिक, छात्र और लेडी टीचर दोनों ही सुरक्षित हैं. परिवारों को उनकी जानकारी दी गई और दोनों को परिजनों के हवाले कर दिया गया. फिलहाल, परिजनों ने अतिरिक्त कानूनी कार्रवाई से इनकार किया है.

भारत में एक्शन होते ही खौफ में हाफिज सईद, आईएसआई ने घर में किया कैद, जान बचाने में जुटा पाकिस्तान

(यंग भारत न्यूज)

मुम्बई में हए 26/11 के आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा संस्थापक हाफिज सईद को लेकर बड़ी खबर आई है. पाकिस्तान में उसकी सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है. भारत जब उसके ऊपर मुकदमा शुरू करने जा रहा है, तभी ये फैसला हुआ है.

भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के कई खुफिया आकलनों का हवाला देते हुए, दावा करती है कि सईद पर खतरे की आशंका बढ़ने के बाद पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस ने उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है. रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में सईद को निशाना बनाने की कई कोशिशें हुई हैं. उसके कई करीबी सहयोगी भी मारे जा चुके हैं. इसके बाद पाकिस्तानी खुफिया तंत्र को आशंका है कि अब सईद खुद बड़ा निशाना हो सकता है. हाफिज सईद की सुरक्षा तब बढ़ी है जब भारत में उसके खिलाफ मुकदमा शुरू हो गया है. उसकी गैरमौजूदगी में मुकदमा चलेगा. रिपोर्ट के मुताबिक, एक खुफिया ब्यूरो अधिकारी ने बताया कि हालिया सुरक्षा समीक्षा के बाद सईद के आसपास तैनात सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ाई गई है. लश्कर-ए-तैयबा के जो लोग उससे मिलने पहुंचते हैं, उन्हें भी कड़ी सुरक्षा जांच और स्क्रीनिंग से गुजरना पड़ रहा है. रिपोर्ट में बताया गया है कि हाल के महीनों में सईद को लेकर खतरे की धारणा कई गुना बढ़ी है. यही वजह है कि उसकी आवाजाही पर भी रोक कड़ी कर दी गई है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और सईद को निशाना बनाने की कई कथित कोशिशों के बाद आईएसआई ने उसे बाहर निकलने से पूरी तरह रोक दिया है. एक अधिकारी के हवाले से कहा गया है, 'ऑपरेशन सिंदूर और हाल के महीनों में उस पर हुए कई हत्या के प्रयासों के बाद आईएसआई ने उसके बाहर निकलने पर पूरी तरह रोक लगा दी है.' इसका असर लश्कर-ए-तैयबा के संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी पड़ रहा है. सईद पहले आतंकी संगठन की ट्रेनिंग और कट्टरपंथ फैलाने वाले कैंपों में जाता था और वहां मौजूद कैडर को संबोधित करता था. अब कथित तौर पर उसे इन जगहों पर जाने की इजाजत नहीं है. हाफिज सईद की लोकेशन को लेकर भी बड़ा सवाल बना हुआ है. पाकिस्तान का आधिकारिक रुख है कि सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है. लेकिन ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट में भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन का हवाला देते हुए दावा किया गया है कि वह वास्तव में लाहौर के मोहल्ला जौहर इलाके में एक किलेबंद सेफ हाउस में रखा गया है. खतरे का स्तर बढ़ने पर उसे कथित तौर पर लाहौर के मियां मीर कैंटोनमेंट इलाके में स्थित एक और बेहद सुरक्षित ठिकाने पर ले जाया जाता है. अगर यह आकलन सही है, तो सईद की वास्तविक स्थिति को लेकर पाकिस्तान के आधिकारिक दावे पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं.

कई महीनों तक बार-बार आबरू लूटता रहा टीचर, गर्भवती हुई छात्रा; अबॉर्शन के समय मौत

(यंग भारत न्यूज)

कश्मीर के किश्तवाड़ से शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 15 वर्षीय छात्रा से स्कूल के एक टीचर द्वारा कथित तौर पर कई महीनों तक बार-बार रेप किया गया। जिसके बाद लड़की प्रेग्नेंट हो गई।

आरोप है कि जबरन गर्भपात कराने की कोशिश के दौरान छात्रा की मौत हो गई। घटना के बाद शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन हुए। पुलिस ने मामले में छात्रा के शिक्षक खालिद हुसैन और उसके भाई तारिक को गिरफ्तार किया है। खालिद पर पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी के बाद उसे निलंबित भी कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बताया कि शेख इंडरवाल के बुमालपोरा मिडिल स्कूल में शिक्षक ग्रेड-द्वितीय और प्रभारी प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात था। सूत्रों के मुताबिक, बृहस्पतिवार देर शाम गर्भपात के लिए जम्मू ले जाते समय लड़की की मौत हो गई। बाद में उसके

और मृत जन्मे बच्चे के शव को उसके गांव ले जाया गया। घटना को लेकर शुक्रवार को चतरू और किश्तवाड़ के अन्य इलाकों में विरोध-प्रदर्शन हुए। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, खालिद हुसैन किश्तवाड़ के छत्रू इलाके में बमलपोरा के एक सरकारी मिडिल स्कूल में तैनात था। आरोप है कि उसके छात्रा के साथ शारीरिक संबंध थे। पोस्टमार्टम में छात्रा के करीब पांच महीने की गर्भवती होने की पुष्टि हुई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, खालिद ने अपने भाई तारिक की मदद से छत्रू में कुछ दवाइयों के जरिए कथित तौर पर अवैध गर्भपात कराने की कोशिश की। इसके बाद छात्रा की हालत बिगड़ गई। उसे पहले जिला अस्पताल किश्तवाड़ ले जाया गया। वहां से हालत गंभीर होने पर उसे विशेष इलाज के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज , जम्मू रेफर किया गया।पुलिस अधिकारी के अनुसार, जम्मू ले जाते समय एंबुलेंस में उसकी हालत और बिगड़ गई। किश्तवाड़ से 200 किलोमीटर से अधिक दूर डोडा के बाटोटे के पास गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। छात्रा का शव वापस किश्तवाड़ अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम में गर्भावस्था और कथित जबरन गर्भपात की कोशिश की पुष्टि हुई। पुलिस के मुताबिक, मामले में यह पता लगाया जा रहा है कि इस कथित अवैध कृत्य में और कौन-कौन लोग शामिल थे। जांच के दायरे में छात्रा के रिश्तेदार, संभावित मेडिकल प्रोफेशनल, गर्भपात की दवाइयां उपलब्ध कराने वाला फार्मेसी संचालक शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि फार्मेसी संचालक ने कथित तौर पर उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना गर्भपात की दवाइयां उपलब्ध कराईं।14 वर्षीय छात्रा की मौत के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। छत्रू में बंद रखा गया, जबकि किश्तवाड़ के अन्य हिस्सों में भी विरोध-प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने छात्रा के साथ कथित दुर्व्यवहार और उसकी मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। भाजपा महिला मोर्चा की किश्तवाड़ इकाई के सदस्यों ने अधिकारियों से मुलाकात कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई और न्याय की मांग की। इसके कुछ घंटे बाद शिक्षक खालिद हुसैन को निलंबित कर दिया गया।

शादी' के 12 साल बाद अलीगढ़ की बीना ने अपने पति को मारने की जो प्लानिंग बनाई उसे जानकर हिल जाएंगे आप.,

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के अलीगढ़ में एक खौफनाक वारदात सामने आई है. यहां के बरला थाना इलाके में एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या करवा दी. इस हत्याकांड की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है.बीना नाम की इस आरोपी महिला ने अपने अवैध संबंध के लिए पति की जान लेने की ऐसी साजिश रची, जिसे सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे.पुलिस के मुताबिक बरला थाना इलाके के मोहल्ला कोठी में रहने वाली बीना की शादी 12 साल पहले सुरेश से हुई थी. शादी के कुछ साल बाद ही बीना का अपने ही गांव के मनोज नाम के युवक से प्रेम प्रसंग शुरू हो गया. बीना अपने आशिक मनोज से 6 साल बड़ी थी. धीरे-धीरे उनके घर आने-जाने लगा और दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं. यह अवैध संबंध पिछले 8 सालों से चल रहा था. इसकी वजह से बीना और सुरेश के बीच आए दिन झगड़े होते रहते थे.सुरेश दिल्ली में एक सुरक्षा गार्ड की नौकरी करता था. जब वह घर आता था तो बीना अपने पति और बच्चों को नींद की गोलियां खिलाकर जल्दी सुला देती थी. इसके बाद वह अपने प्रेमी मनोज से घर में ही मिलती थी. गांव वालों और बीना के परिजनों ने कई बार उन्हें अलग-अलग जगहों पर मनोज के साथ पकड़ा भी था. गांव में पंचायतें भी हुईं, लेकिन बीना और मनोज अलग नहीं हुए. उनका रिश्ता और गहरा होता चला गया.प्यार में अंधी हो चुकी तीन बच्चों की मां बीना ने अपने पति सुरेश को रास्ते से हटाने के लिए पहले एक खौफनाक प्लान बनाया. उसने सुरेश को नींद की गोलियां खिलाकर गला दबाकर मारने की कोशिश की. लेकिन उस रात बच्चे भी पति के पास सोए हुए थे, जिससे बीना अपने पहले प्लान में कामयाब नहीं हो सकी. इस प्लान के फेल होने के बाद बीना ने एक और भी खतरनाक रास्ता चुना. उसने अपने प्रेमी मनोज को एक अवैध तमंचा (पिस्टल) दिलवाया.नया प्लान ये था कि बीना अपने पति सुरेश को किसी बहाने घर से बाहर भेजेगी और वहीं मनोज उसकी हत्या कर देगा. बताया जा रहा है कि इसी योजना के तहत सुरेश को घर से बाहर भेजा गया, जहां मनोज ने उसी तमंचे से उसकी हत्या कर दी.

वाराणसी में दोस्ती का खूनी अंत, शव के 5 टुकड़े कर गोबर में दबाया, शराब पिलाकर ईशू की हत्या, 3 गिरफ्तार

(यंग भारत न्यूज)

वाराणसी के सिगरा थाना क्षेत्र में छह अगस्त से लापता 19 वर्षीय ईशू कन्नौजिया की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है. पुलिस के अनुसार, वारदात को उसके ही तीन परिचितों ने अंजाम दिया.गिरफ्तार आरोपियों में दो सगे भाई प्रदीप और रामकृष्ण के अलावा उनका दोस्त रोहित शामिल है. जांच में सामने आया कि तीन अगस्त को शराब पीने के दौरान ईशू और प्रदीप के बीच मारपीट हुई थी. इसी घटना के बाद बदला लेने की योजना बनाई गई.

पुलिस के मुताबिक, छह अगस्त की रात ईशू को बुलाया गया था. अगले दिन उसे लहरतारा-महमूरगंज इलाके में रेलवे के एक पुराने क्वार्टर के पास ले जाया गया. आरोप है कि वहां पहले उसे शराब पिलाई गई और फिर तीनों ने उसके साथ मारपीट की. पुलिस का कहना है कि इसी दौरान प्रदीप ने धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी. इसके बाद आरोपियों ने शव के टुकड़े किए और उन्हें प्लास्टिक के बोरे में भरकर ठिकाने लगाने की योजना बनाई.हत्या के बाद आरोपियों ने शव को लहरतारा मार्ग स्थित खखड़िया पोखरी के पास रेलवे के खंडहरनुमा क्वार्टर के नजदीक ले जाकर गोबर से भरे एक गड्ढे में डाल दिया. पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने ऐसा इसलिए किया ताकि शव की पहचान और मौजूदगी का आसानी से पता न चल सके. शुक्रवार रात पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर बोरा बरामद किया. शव को पोस्टमार्टम के लिए मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा के मुर्दाघर में भेज दिया गया.ईशू के लापता होने के बाद परिजनों ने कई जगह तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला. 17 अगस्त को सिगरा थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी गई. पुलिस ने मोबाइल की कॉल डिटेल खंगाली तो ईशू के फोन पर आखिरी कॉल उसके परिचित प्रदीप की मिली. इसके बाद पुलिस ने प्रदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की. शुरुआत में उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस से मिले सबूतों के सामने वह टूट गया.पूछताछ में पुलिस को आरोपियों से वारदात के बाद शव छिपाने की योजना से जुड़ी जानकारी मिली. पुलिस के मुताबिक, प्रदीप ने शव को ऐसी जगह छिपाने का तरीका इंटरनेट पर देखा था, जहां आसपास के लोगों को संदेह न हो. इसी योजना के तहत शव को बोरे में भरकर गोबर के गड्ढे में डाला गया. पुलिस अब हत्या में इस्तेमाल हथियार, आरोपियों की आपसी भूमिका और वारदात से पहले तथा बाद की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है.

नवविवाहिता ने जिस रात सुहागरात मनाई, उसी रात दिया बच्ची को जन्म, पूरा गाँव देखता रह गया?

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के रामपुर जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है. जहां शादी की रात ही नई नवेली दुल्हन ने एक बच्ची को जन्म दिया है. जिससे पूरे गांव में त्योहार जैसा माहौल है.रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुम्हरिया गांव के रहने वाले रिजवान का निकाह पास के गांव की युवती से शनिवार को निकाह हुआ था. लेकिन बेटी के जन्म से अब खुशियों में चार चांद लग गए हैं. चलिए तो जानते हैं आखिर पूरा मामला क्या है ? दरअसल, कुम्हरिया गांव का रिजवान निकाह कर के अपनी दुल्हन को घर लाया था. लेकिन रात करीब 12 बजे अचानक तेज पेट दर्द होने लगा. परिवार ने घबराहट में डॉक्टर को घर पर बुलाया. शुरूआत में तो ससुराल वालों को थकान या कमजोरी लगी. लेकिन जब दर्द ज्यादा बढ़ा तो घर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया.परिवार वालों ने आनन-फानन में पास से ही एक महिला डॉक्टर को जांच के लिए बुलाया. लेकिन परिवार तब हैरान रह गया, डॉक्टर ने बताया की दुल्हन को प्रसव पीड़ा का दर्द है. फिर सुबह तक नई नवेली दुल्हनियां ने एक बेटी को जन्म दिया. बच्ची की आवाज से घर में चारों-तरफ रौनक फैल गई. अब शादी की रात ही दुल्हन के मां बनने की खबर पूरे गांव में फैली हुई है.नवविवाहिता और नवजात को देखने के लिए आस-पड़ोस के लोग घर पहुंचने लगे. गांव की महिलाओं ने मंगल गीतों से माहौल को खुशनुमा बना दिया और पूरा गांव जश्न में डूबा नजर आया. इस खुशी के पल में दूल्हा भी पिता बनने की खुशी से झूम उठा और उसने गांव में सभी को मिठाई बांटी. परिजनों ने बताया कि मां और बच्ची दोनों स्वस्थ हैं.

अपने ही घर में जिंदा दफना दी गई राजघराने की वारिस! 3 साल बाद खुला राज, हिल गया पूरा देश

(यंग भारत न्यूज)

बेंगलुरु) का रिचमंड रोड। 28 अप्रैल 1991 की सुबह एक बहुत बड़े शाही घराने की वारिस अचानक गायब हो गई। नाम था शकीरे खलीली- सूर के पूर्व दीवान सर मिर्जा इस्माइल की पोती। करोड़ों की हवेली, बेशकीमती जमीनें और शाही रुतबा रखने वाली शकीरे अचानक ऐसे गायब हुईं कि पूरे शहर में हड़कंप मच गया।

उनके पति और स्वघोषित गॉडमैन स्वामी श्रद्धानंद उर्फ मुरली मनोहर मिश्रा ने सबको यही कहानी सुनाई कि शकीरे किसी जरूरी काम से विदेश गई हैं।तीन सालों तक यह झूठ बिकता रहा। लेकिन शकीरे की बेटी एस्मेथ खलीली को दिल ही दिल में कुछ गलत होने का शक था। उनकी जिद और पुलिस की क्राइम ब्रांच की जांच जब आगे बढ़ी, तो बैंगलोर के उस आलीशान बंगले के आंगन में खुदाई शुरू हुई।मई 1994 में जब जमीन के नीचे से लकड़ी का एक बड़ा ताबूत बाहर निकला, तो पुलिस अधिकारियों के रोंगटे खड़े हो गए। उस ताबूत के भीतर गद्दे पर सोई हुई हालत में शकीरे का कंकाल पड़ा था। उनके शरीर के साथ-साथ उनके वे कपड़े और तकिया भी सुरक्षित थे, जो उस काली रात की खौफनाक दास्तान बयां कर रहे थे। मुरली मनोहर मिश्रा उर्फ स्वामी श्रद्धानंद कोई साधु या संन्यासी नहीं था। वह मध्य प्रदेश के रामपुर का रहने वाला एक मामूली क्लर्क था, जो शाही घरानों की संपत्तियों की देखरेख और तंत्र-मंत्र के बहाने लोगों के करीब आता था। शकीरे की पहली शादी पूर्व आईएफएस (ड्रग्स) अफसर अकबर खलीली से हुई थी। लेकिन जब रामपुर रियासत के काम के सिलसिले में श्रद्धानंद का शकीरे के घर आना-जाना बढ़ा, तो उसने शकीरे को अपनी बातों के जाल में फंसा लिया।

1985 में शकीरे ने अपने पहले पति को तलाक दे दिया और श्रद्धानंद से शादी कर ली। शादी के बाद ही ढोंगी बाबा की नीयत साफ होने लगी। उसकी नजर शकीरे के नाम दर्ज बैंगलोर, ऊटी और मध्य प्रदेश की 600 करोड़ रुपए से ज्यादा की बेहिसाब संपत्ति पर थी। उसने शकीरे के पावर ऑफ अटॉर्नी

हासिल करने की कोशिशें शुरू कर दीं, लेकिन जब शकीरे ने संपत्ति अपने नियंत्रण में रखी, तो श्रद्धानंद ने उन्हें रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। 28 अप्रैल 1991 की रात, श्रद्धानंद ने शकीरे की चाय में नींद की हाई डोज (सडेटिव्स) मिला दी। जब शकीरे गहरी बेहोशी में चली गईं, तो उसने बढ़ई से पहले से ही बनवाकर रखे गए लकड़ी के एक बड़े ताबूत को तैयार किया। उसने शकीरे को उनके ही गद्दे समेत उठाकर उस ताबूत में बंद कर दिया। इसके बाद बंगले के आंगन में पहले से खोदे गए 8 फीट गहरे गड्ढे में उस ताबूत को उतार दिया गया और ऊपर से कंक्रीट डाल दिया गया। फोरेंसिक जांच में जब शव की हड्डियां मिलीं, तो पता चला कि शकीरे के हाथों की उंगलियां गद्दे के धागों और ताबूत की लकड़ी को खरोंच रही थीं। यानी जब उन्हें मिट्टी में दबाया जा रहा था, तब भी उनकी सांसें चल रही थीं- उन्हें जिंदा दफनाया गया था।मई 1994 में गिरफ्तारी के बाद श्रद्धानंद का झूठ ताश के पत्तों की तरह ढह गया। ट्रायल कोर्ट और कर्नाटक हाई कोर्ट दोनों ने इस बर्बरता के लिए श्रद्धानंद को फांसी की सजा सुनाई।लेकिन 2008 में जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो शीर्ष अदालत ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। जस्टिस बी.एन. अग्रवाल की बेंच ने श्रद्धानंद की फांसी की सजा को 'ताउम्र जेल' में बदल दिया।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कई मामलों में फांसी और साधारण उम्रकैद, जिसमें 14 साल बाद रिहाई मिल जाती है, के बीच एक तीसरे विकल्प की जरूरत है- यानी अपराधी अपनी आखिरी सांस तक सलाखों के पीछे ही रहेगा और उसे कभी पैरोल नहीं मिलेगी।यह भारतीय कानूनी इतिहास का पहला ऐसा मामला बना जहां 'ताउम्र बिना रिहाई' के नियम को इतनी सख्ती से लागू किया गया।

जोल्हूपुर ओवरब्रिज 10 साल से अधूरा, ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

-निर्माण कार्य पूरा न होने से बरसात में आवागमन प्रभावित, स्कूली बच्चों, मरीजों, महिलाओं और बुजुर्गों को हो रही दिक्कत
-रेलवे क्रॉसिंग और अधूरे ओवरब्रिज के बीच फंसा ग्रामीणों का आवागमन, जल्द निर्माण पूरा कराने की मांग
- वर्षों से अधूरे पड़े ओवरब्रिज को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी, जिम्मेदार विभाग से कार्रवाई की मांग
-बरसात में रास्ता बाधित होने से बढ़ी परेशानी, आपातकालीन स्थिति में दुर्घटना का खतरा

(यंग भारत न्यूज)

जोल्हूपुर। ग्राम जोल्हूपुर में पिछले करीब 9-10 वर्षों से निर्माणाधीन ओवरब्रिज अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का बड़ा कारण बन गया है। लंबे समय से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा होने के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि ओवरब्रिज का निर्माण जल्द पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी कार्य पूरा नहीं हो सका है।

ग्रामीणों के मुताबिक बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर हो जाती है। रेलवे क्रॉसिंग तथा निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कारण आवागमन का मार्ग बाधित रहता है। बारिश के दौरान रास्ते की स्थिति खराब होने से पैदल चलने वालों के साथ ही दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। इससे ग्रामीणों को अपने रोजमर्रा के कार्यों के लिए आने-जाने में अतिरिक्त समय और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ता बाधित होने के कारण बच्चों को स्कूल आने-जाने में कठिनाई होती है। कई बार खराब रास्ते और यातायात की स्थिति के कारण बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक चिंतित रहते हैं। वहीं, बीमार मरीजों को अस्पताल या मुख्य सड़क तक पहुंचाना भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस अथवा अन्य वाहन के पहुंचने में भी परेशानी की आशंका बनी रहती है। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांग लोगों के लिए भी यह समस्या विशेष रूप से गंभीर है। ग्रामीणों का कहना है कि ओवरब्रिज का निर्माण लंबे समय से चल रहा है, लेकिन कार्य की गति को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। वर्षों से निर्माणाधीन परियोजना के कारण आसपास के लोगों को असुविधा झेलनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से ओवरब्रिज निर्माण की स्थिति की समीक्षा कर शेष कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने से न केवल जोल्हूपुर बल्कि आसपास के क्षेत्र के लोगों को भी आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने प्रशासन से निर्माण कार्य की समयसीमा तय कर गुणवत्ता के साथ शीघ्र कार्य पूर्ण कराने की मांग की है। शिशुपाल (मास्टर साहब), रोहित गौतम, दिनेश प्रताप सिंह (मोनू), कीवल, भानुप्रताप सिंह, महाराज सिंह (पूर्व प्रधान), गुड्डू, मोहर सिंह, रिंकू सिंह, छितर, भूपेंद्र सेंगर, गजेंद्र (प्रभुदयाल), विक्की, विवेक (सिंह ढाबा), चंद्रशेखर, निमेश, विनेश, रामशंकर, कमल सिंह, गजेंद्र पाल, अजीत पाल, मनीष ठाकुर, कोमल, असशन (भगत जी), शिवपाल, धीरू, अमित (पिंटू), मानसिंह, मनोज विश्वकर्मा, मोनू कुशवाहा, रविशंकर कुशवाहा एवं समस्त बीआर आंबेडकर कमेटी सदस्य तथा समस्त जोल्हूपुर ग्रामवासी।

झाँसी रोड के किनारे अवैध प्लाटिंग उरई विकास प्राधिकरण ने मौके पर कराया ध्वस्त

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष, उरई विकास प्राधिकरण के निर्देश पर दिनांक 22.08.2026 को सचिव, उरई विकास प्राधिकरण के नेतृत्व में अवैध प्लाटिंग/अनधिकृत उपविभाजन के विरूद्ध ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। ध्वस्तीकरण कार्यवाही के दौरान झाँसी रोड के किनारे राम श्री स्कूल के पास उरई विकास प्राधिकरण से बिना ले-आउट प्लान स्वीकृत कराये अवैध रूप से की जा रही प्लाटिंग को मौके पर ध्वस्त कराया गया। स्थल पर लगभग 11000 वर्गमीटर में गेट एवं साइट ऑफिस बनाकर एवं रोड बनाकर अवैध उप विभाजन किया गया था, सोशल साइट पर अवैध प्लटिंग में भूखण्ड विक्रय हेतु विज्ञापन भी किया जा रहा था।

समस्त भूखण्ड क्रेता विक्रेता से अपेक्षा है कि उरई विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत प्लाटिंग कार्य या भवन निर्माण कार्य करने के पूर्व उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा-14 के अन्तर्गत ले आउट प्लान/मानचित्र अवश्य स्वीकृत कराएं। बिना मानचित्र स्वीकृत कराये प्लाटिंग कार्य करने या भवन निर्माण करने पर उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धारा में नोटिस, सील, अभियोजन एवं ध्वस्तीकरण सहित जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी जालौन के निर्देश पर उरई नगर के मुख्य मार्गो के किनारे एवं प्रमुख स्थलों पर अनाधिकृत कालोनी में भूखण्ड क्रय-विक्रय नहीं करने से सम्बन्धित जागरूकता बोर्ड लगवाये जा रहे है। आज झाँसी रोड एवं रिनियाँ मोड़ पर अवैध कालोनी में भूखण्ड का क्रय-विक्रय नही करने सम्बन्धी सूचना बोर्ड जन जागरण हेतु लगाया गया द्य ऐसे सूचना बोर्ड अन्य मुख्य मार्गों के किनारे एवं प्रमुख स्थलों पर विकास प्राधिकरण द्वारा लगवाए जा रहे हैं द्य यदि बिना ले-आउट प्लान स्वीकृत कराये अवैध कालोनी बनायी जाती है एवं उनमें भूखण्डों का क्रय-विक्रय किया जाता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी समस्त प्रापर्टी डीलर/प्लाटिंग करने वालों से अपेक्षा है कि विकास प्राधिकरण से ले-आउट प्लान (तलपट मानचित्र) स्वीकृत कराने के उपरान्त ही नियमानुसार प्लाटिंग कार्य करें एवं शहर के सुनियोजित विकास में सहभागी बनें। साथ ही भूखण्ड क्रेतागण से अपेक्षा है कि अवैध प्लाटिंग में भूखण्ड क्रय न करें अन्यथा उरई विकास प्राधिकरण से की गयी प्रवर्तन कार्यवाही एंव ध्वस्तीकरण से होने वाली क्षति के लिए स्वयं जिम्मेदार होगें।

अग्रिम तिथियों में भी अवैध प्लाटिंग एवं अवैध निर्माण के विरूद्ध कार्यवाही जारी रहेगी। जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष, उरई विकास प्राधिकरण के निर्देश पर आज की कार्यवाही के दौरान सचिव,उरई विकास प्राधिकरण, मुख्य लेखाधिकारी/जोनल अधिकारी, उरई विकास प्राधिकरण, थाना कोतवाली की पुलिस फोर्स, माहिला पुलिस बल एवं प्रवर्तन टीम मौके पर उपस्थित रही

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में उद्योग बंधु की बैठक 24 को

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने बताया कि जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 24.08.2026 को अपराह्न 04:00 बजे विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आहूत की जानी है।

अत: उद्यमी संघो के पदाधिकारियों तथा जनपद के उद्यमी बन्धुओ, (जिनकी उद्योग से सम्बंधित कोई समस्या हो) उनसे अनुरोध है कि कृपया समस्या तथा सुझाव सहित एवं सम्बन्धित सभी अधिकारीगण विगत बैठक के निर्णयों के अनुपालन में की गई कार्यवाही प्रगति सहित बैठक में भाग लेने का कष्ट करें।

चार दिन से खराब पड़ी पानी की टंकी, बूंद-बूंद पानी को तरस रहे ग्रामीण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कदौरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत चमारी में पिछले चार दिनों से पानी की टंकी की मोटर खराब होने के कारण ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो गया है। टंकी से जलापूर्ति बंद होने के चलते गांव के लोगों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की टंकी पर निर्भरता है। पिछले चार दिनों से मोटर खराब होने के कारण टंकी से पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में लोगों को दूर लगे हैंडपंपों और अन्य जलस्रोतों से पानी भरकर लाना पड़ रहा है। गर्मी और उमस के बीच पानी की व्यवस्था करना ग्रामीणों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि टंकी की मोटर खराब होने की जानकारी संबंधित जिम्मेदारों को दे दी गई है, लेकिन शिकायत के बाद भी अभी तक मोटर को ठीक नहीं कराया गया है। इससे ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही मोटर की मरम्मत कराकर पानी की टंकी चालू नहीं कराई गई तो समस्या और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए खराब मोटर को जल्द ठीक कराया जाए और पानी की टंकी से नियमित जलापूर्ति शुरू कराई जाए, ताकि गांव के लोगों को पेयजल संकट से राहत मिल सके।

संदिग्ध परिस्थितियों के चलते युवक फाँसी पर झूला

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई कोतवाली क्षेत्र में शनिवार को एक 33 वर्षीय युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गिरेन्द्र कुमार निवासी चुर्खी बाईपास क्षेत्र के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

सूचना पर उरई कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार युवक ने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना के कारणों की जानकारी जुटा रही है। युवक की पारिवारिक परिस्थितियों समेत अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन में पेंट्री कार कर्मचारियों और यात्रियों के बीच विवाद, तीन हिरासत में

- **कानपुर से झांसी जा रही ट्रेन में गाली-गलौज के बाद दोनों पक्षों में मारपीट, तीन लोगों पर शांति भंग की कार्रवाई**
- **ट्रेन संख्या 20104 में हुआ विवाद, झगड़े में दोनों पक्षों के लोग हुए चोटिल**
- **दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस की कार्रवाई, तीन लोगों को हिरासत में लिया गया**

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कानपुर से झांसी की ओर जा रही ट्रेन संख्या 20104 एलटीटी में शुक्रवार सुबह पेंट्री कार कर्मचारियों और दूसरे पक्ष के बीच विवाद हो गया। बताया गया कि यात्रा के दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते मामला गाली-गलौज तक पहुंच गया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। घटना में दोनों पक्षों के लोग चोटिल हुए हैं।

घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त की। पुलिस के अनुसार, प्राप्त तहरीरों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। विवाद में शामिल लोगों को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक हिरासत में लिए गए लोगों में कुनाल पुत्र वीर सिंह निवासी अटरा कुला, थाना चुर्खी, जनपद जालौन, कन्हैयालाल पुत्र स्वर्गीय रामपटेस्वर निवासी ग्राम धोली, थाना प्रयागपुर, जनपद बहराइच तथा शान मोहम्मद पुत्र रजा मोहम्मद निवासी मोहल्ला इंद्रानगर, कोतवाली उरई, जनपद जालौन शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ट्रेन में विवाद के दौरान दोनों पक्षों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें कुछ लोगों को चोटें आईं। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस द्वारा सभी तथ्यों की जांच की जा रही है और प्राप्त तहरीरों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि तीनों के खिलाफ शांति भंग की निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। घटना के कारणों और विवाद की वास्तविक स्थिति की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ट्रेन में हुए विवाद की घटना से कुछ समय के लिए यात्रियों के बीच भी अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हालांकि पुलिस की कार्रवाई के बाद स्थिति नियंत्रित कर ली गई। मामले में दोनों पक्षों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है।

जनसमस्याओं के समाधान में दिखी तत्परता, डीएम-एसपी ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

17 शिकायतों में 11 का मौके पर निस्तारण, शेष के लिए पुलिस-राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजीं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने शनिवार को थाना कुठौंद में आयोजित थाना समाधान दिवस में दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। दोनों अधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान कुल 17 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष 6 शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें गठित कर मौके पर भेजी गईं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि संबंधित टीमें मौके पर जाकर दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनते हुए नियमानुसार निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी फरियादी की शिकायत लंबित न रहे और प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई हो। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने कहा कि थाना समाधान दिवस पुलिस एवं जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पुलिस अधिकारी फरियादियों की शिकायतों को पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुनें और प्रत्येक प्रकरण में निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था एवं जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी तथा पीड़ित व्यक्ति को त्वरित न्याय दिलाने के लिए पुलिस पूरी तत्परता से कार्य करेगी। अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस से संबंधित मामलों में आपसी समन्वय के साथ मौके पर जाकर निस्तारण किया जाए, जिससे फरियादियों को त्वरित राहत मिल सके और शासन की जनकल्याणकारी मंशा के अनुरूप प्रभावी जनसुनवाई सुनिश्चित हो। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राकेश सोनी, सीओ, थानाध्यक्ष आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्राधिकारी लिखी सूमो ने ओमनी में मारी टक्कर, शिक्षिका घायल

पंचवटी इंटर कॉलेज के पांच शिक्षक-शिक्षिकाएं थे सवार, हादसे के बाद शिक्षिकाओं ने बनाया सूमो का वीडियो

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शनिवार की दोपहर करीब एक बजे व्यास मंदिर के आगे जाँधर नाले के पास एक सड़क हादसे में पंचवटी इंटर कॉलेज शेखपुर गुढ़ा के शिक्षक-शिक्षिकाओं से भरी ओमनी वैन को एक सरकारी सूमो ने टक्कर मार दी। हादसे में एक शिक्षिका घायल हो गईं, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी लाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार पंचवटी इंटर कॉलेज शेखपुर गुढ़ा के पुरुष एवं महिला शिक्षकों समेत कुल पांच लोग ओमनी वैन से कालपी की ओर आ रहे थे। इसी दौरान सामने से नीले रंग की एक सूमो तेज गति से रॉन्ग साइड से आई और ओमनी वैन में टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि उक्त वाहन पर पुलिस एवं सीओ लिखा हुआ था। वाहन का नंबर यूपी 32 सीजी 0042 बताया गया है। बताया जाता है कि उक्त सरकारी वाहन पुलिस ट्रेनिंग सेंटर मंगरौल का है और घटना के समय वह ट्रेनिंग सेंटर की ओर जा रहा था। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना के बाद ओमनी में सवार शिक्षिकाओं ने संबंधित सूमो वाहन का वीडियो भी बना लिया। बताया जा रहा है कि वीडियो में वाहन और उसका नंबर दिखाई दे रहा है। हादसे में आशिका पुत्री वीरेंद्र कुमार 21 वर्ष निवासी कागजीपुरा, कालपी घायल हो गईं। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी ले जाया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। फिलहाल मामले को लेकर कोतवाली कालपी में कोई तहरीर नहीं दी गई है। विद्यालय के प्रबंधक सनोज कुमार ने बताया कि घटना के संबंध में पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया जाएगा।

उरई के वार्ड नंबर छह में जलभराव से बनी नारकीय स्थिति

15 साल से परेशान हैं हजारों लोग, पालिका ईओ को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर छह स्थित इंदिरा नगर की बस्ती इन दिनों जलभराव की गंभीर समस्या से जूझ रही है। बारिश के बाद मोहल्ले की गलियां तालाब में तब्दील हो गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले करीब 15 वर्षों से वे जलभराव और गंदगी की समस्या के बीच नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक गलियों में जमा रहता है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ रही है।

समस्या से नाराज मोहल्लेवासी नगर पालिका के ईओ से मिलने पहुंचे और जलभराव की समस्या को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। लोगों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

डीएम-एसपी ने कुठौंद में व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों और पशुपालकों को बेहतर सेवाएं देने के निर्देश

- पीएचसी में 249 मरीजों का पंजीकरण, दवाओं की उपलब्धता मिली

- संतोषजनक; आईजीआरएस में कोई प्रकरण डिफॉल्टर नहीं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने शनिवार को विकास खंड कुठौंद क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, राजकीय पशु चिकित्सालय एवं कृत्रिम गर्भाधान केंद्र तथा विकास खंड कार्यालय का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को जनसामान्य को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुठौंद के निरीक्षण के दौरान पंजीकरण काउंटर पर उस समय तक 249 मरीजों का पंजीकरण पाया गया। पंजीकरण व्यवस्था संतोषजनक मिली। औषधि वितरण काउंटर पर मरीजों को चिकित्सक के पर्चे के अनुसार दवाएं उपलब्ध कराई जा रही थीं। जिलाधिकारी ने स्नेक बाइट एवं रेबीज से संबंधित आवश्यक औषधियों की उपलब्धता की भी जानकारी ली, जो पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाई गईं। उन्होंने निर्देश दिए कि जीवनरक्षक औषधियों को निर्धारित तापमान पर सुरक्षित रखते हुए उनकी उपलब्धता एवं वैधता की नियमित निगरानी की जाए। प्रयोगशाला के निरीक्षण में मरीजों के सैंपल लिए जाने तथा उनका रजिस्टर व्यवस्थित रूप से अनुरक्षित पाया गया। जिलाधिकारी ने जांच संबंधी अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने और मरीजों को जांच रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। प्रसव कक्ष में आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि प्रसव सेवाओं के लिए कक्ष सदैव आवश्यक उपकरणों एवं औषधियों से पूरी तरह तैयार रहे तथा रात्रिकालीन सेवाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने पाए।

इसके बाद राजकीय पशु चिकित्सालय एवं कृत्रिम गर्भाधान केंद्र कुठौंद का निरीक्षण किया गया। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि निरीक्षण के दिन छह पशुओं का उपचार किया गया। औषधियों के स्टॉक का रजिस्टर से मिलान करने पर व्यवस्था संतोषजनक मिली। जिलाधिकारी ने पशुपालकों के नाम एवं पते के साथ मोबाइल नंबर भी अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए, जिससे आवश्यकता पड़ने पर उनसे संपर्क करने के साथ ही विभागीय योजनाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जा सके।कृत्रिम गर्भाधान एवं सेक्स-सॉर्टेड सीमन के उपयोग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित आंकड़ों को अद्यतन रखने तथा पशुपालकों को इस सुविधा के लाभों के प्रति जागरूक कर अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वर्षा ऋतु को देखते हुए पशुओं में संक्रामक एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान चलाने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए। विकास खंड कुठौंद कार्यालय के निरीक्षण के दौरान आईजीआरएस पटल की स्थिति की समीक्षा की गई। कंप्यूटर पर प्रकरणों की स्थिति देखने पर कोई भी प्रकरण डिफॉल्टर श्रेणी में नहीं पाया गया, जिसे संतोषजनक पाया गया। इस दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा लगभग छह माह से मानदेय लंबित होने की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार लंबित मानदेय का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। स्थापना पटल के निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की जीपीएफ पासबुक का अवलोकन किया गया। संबंधित अभिलेख अद्यतन, सुव्यवस्थित एवं अच्छी स्थिति में पाए गए। जिलाधिकारी ने अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव के लिए संबंधित कर्मचारियों की सराहना करते हुए खंड विकास अधिकारी को प्रशंसा पत्र प्रदान किए जाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकारी संस्थानों में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि पुलिस एवं प्रशासन का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित, सुगम एवं बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी कुठौंद अरुण कुमार सिंह, एडीओ पंचायत बृजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार तिवारी, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि कुमार तिवारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर न्यायिक अधिकारियों और बैंक प्रबंधकों की समीक्षा बैठक

- अधिकाधिक मामलों के निस्तारण और पक्षकारों को समय से नोटिस तामील कराने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उ. प्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 13 सितम्बर 2026 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु विगत माननीय जनपद न्यायाधीश विरजेन्द्र कुमार सिंह के कुशल-मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी/अपर जिला न्यायाधीश सतीश चन्द्र द्विवेदी के विश्राम कक्ष में उनकी अध्यक्षता में जिला दीवानी न्यायालय सभागार में समस्त न्यायिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इसमें उपस्थित न्यायिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

आज नोडल अधिकारी/अपर जिला न्यायाधीश श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी ने उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयों में विचाराधीन मामलों में से ऐसे मामलों को तत्काल चिन्हित करके सम्बन्धित पक्षकारों को अविलम्ब सूचित करें, ताकि न्यायालय से प्रेषित नोटिस/सम्मन की तामीला समय पर हो सके और अधिक से अधिक वादकारीगण राष्ट्रीय लोकअदालत में सहभागिता कर सके। उन्होंने कहा कि प्राय: ऐसा देखने में आता है कि या तो न्यायालय से सम्मन/ नोटिस विलम्ब से प्रेषित किये जाते है अथवा उनकी तामीला समय से नहीं हो पाती। इस कारण प्रेषित किये गये सम्मन/नोटिस के सापेक्ष वादकारियों की उपस्थिति न्यायालय में बहुत कम हो पाती है। इसका प्रभाव निस्तारित मामलों की संख्या पर पड़ता है। इसलिये सभी न्यायिक अधिकारी इस तथ्य का संज्ञान लेते हुये इसे अपने स्तर पर मॉनीटर करें। इसलिये सभी न्यायिक अधिकारी अधिकाधिक मामलों के निस्तारण पर ध्यान केन्द्रित करें।

बैठक में अपर जिला जज/विषेश न्यायाधीश चन्द्रमोहन चतुर्वेदी, मुन्ना प्रसाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अभिषेक खरे, सिविल जज सी.डि./एफटीसी रजत सिंह यादव, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रत्यूश प्रकाश, अपर सिविल जज जू0डि0 श्रीमती शिन्जिनी यादव, श्रीमती अंकिता सिंह, सिविल जज जू. डि.जालौन जावेद खान, सिविल जज ज. डि. कोंच सत्यम यादव, सिविल जज जू. डि. अनुरूद्ध सिंह, सुश्री शैलजा, अपर सिविल जज जू.डि. जालौन सुश्री निकिता, अपर सिविल जज जू0डि0 कालपी श्री सुधांशु सिंह, न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय माधौगढ़ श्री विनय कुमार चाहर एवं विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्री सैयद अली मेहदी आबिदी उपस्थित रहे। एक अन्य बैठक में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती मनाली चन्द्रा ने सभी बैंक प्रबन्धकों से कहा कि बकाया ऋण के ऐसे मामले जिनमें सुलह-समझौते की सम्भावना हो किन्तु वह पूर्व की लोकअदालतों में नियत न किये गये हो, को प्राथमिकता के आधार पर आगामी राष्ट्रीय लोकअदालत हेतु चिन्हित किया जाना चाहिये। ऐसे चिन्हित मामलों की सूची और उनके दावे/वादपत्र तत्काल तैयार कराकर अतिशीघ्र अग्रिम कार्यवाही हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में दाखिल किया जाये। उन्होंने बैंक प्रबन्धकों को निर्देशित किया गया कि इस लोक अदालत हेतु बैंकों के बकाया ऋण/ एनपीए से सम्बन्धित मामले प्री-लिटिगेशन केस के रूप में चिन्हित किये जा रहे हैं, जिनमें कम से कम दो बार नोटिस भेजे जाये तथा नोटिसों के प्रेषण के साथ राष्ट्रीय लोकअदालत के प्रचार-प्रसार हेतु पैम्फलेट्स का भी वितरण किया जाये। आज सम्पन्न बैठक में जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक अनुराग सक्सेना, भारतीय स्टेट बैंक से सुजीत सिंह, यू. पी. ग्रामीण बैंक से अरूण कुमार, बन्धन बैंक से संयोग दीक्षित, आईडीवीआई बैंक से महेश यादव उपस्थित रहे।

झोलाछाप डॉ आरती पाल द्वारा महिला का एबॉर्शन करे समय हुई अचानक मौत

- चुर्खी रोड पर स्थित है झोलाछाप महिला डॉ का क्लीनिक
- परिजनों में शोक की लहर
- परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उरई में एक झोलाछाप महिला डॉक्टर के क्लीनिक पर इलाज के दौरान 32 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने महिला डॉक्टर पर गलत इलाज और लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार रामपुरा थाना क्षेत्र के निमावली गांव निवासी 32 वर्षीय प्रीति वर्तमान में लहार गांव में रह रही थीं। परिजनों के मुताबिक प्रीति उपचार के लिए उरई के चुर्खी रोड स्थित एक निजी क्लीनिक पर पहुंची थीं। परिजनों का आरोप है कि वह गर्भपात (अबॉर्शन) कराने के उद्देश्य से क्लीनिक गई थीं। वहां महिला डॉक्टर आरती पाल द्वारा इलाज किए जाने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चलने की उम्मीद है। मृतका के परिजन दिनेश कुमार ने आरोप लगाया कि इलाज के दौरान बरती गई लापरवाही के कारण प्रीति की जान चली गई। उन्होंने संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट व अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राजकीय विद्यालयों में विद्युत एवं पुस्तकालय सुविधाओं का विस्तार, विद्यार्थियों को मिल रहा बेहतर शैक्षिक वातावरण

-जिलाधिकारी की पहल से राजकीय हाईस्कूल सरसेला, अजितापुर, छोट में विद्युत कनेक्शन तथा लामापुरा में पुस्तकालय की सुविधा शुरू

(यंग भारत न्यूज)

उरई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जालौन खनिज फाउंडेशन न्यास की शासी परिषद एवं प्रबंध समिति की बैठकों में लिए गए निर्णयों के क्रम में जनपद के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुविधा एवं शैक्षिक वातावरण को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित ने बताया कि राजकीय हाईस्कूल सरसेला, अजितापुर एवं छोट में विद्युत कनेक्शन सहित अन्य संबंधित कार्यों के लिए 5,68,270 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई थी। कार्य पूर्ण होने के बाद विद्यालयों में विद्युत सुविधा उपलब्ध हो गई है, जिससे छात्र-छात्राओं को स्वच्छ पेयजल, पर्याप्त रोशनी तथा गर्मी में पंखे जैसी आवश्यक सुविधाएं मिल रही हैं। इससे विद्यालयों में अध्ययन का वातावरण बेहतर होने के साथ विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति एवं उपस्थिति को भी सकारात्मक बढ़ावा मिला है। इसी क्रम में राजकीय हाईस्कूल लामापुरा में हाईटेंशन लाइन की विद्युत पोल शिफ्टिंग के लिए 1,36,509 रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। कार्य पूर्ण होने के बाद विद्यालय में पुस्तकालय निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध होने से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त ज्ञानवर्धक पुस्तकों के अध्ययन का अवसर मिलेगा। इससे बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित होने, शब्दावली एवं ज्ञान में वृद्धि तथा उनके शैक्षिक, मानसिक एवं व्यक्तित्व विकास को नई गति मिलेगी। इन सुविधाओं के विस्तार से जनपद के राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में सकारात्मक कदम आगे बढ़ा है। विद्युत एवं पुस्तकालय जैसी मूलभूत शैक्षिक सुविधाएं बच्चों को सीखने के बेहतर अवसर प्रदान करने के साथ ही उन्हें ज्ञान, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की ओर आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी

करंट की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । कदौरा थाना क्षेत्र के सजदा गांव में शनिवार को करंट की चपेट में आने से 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार सजदा गांव निवासी विजय सिंह (28) किसी तरह करंट की चपेट में आ गए। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की जानकारी कदौरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कालपी थाना दिवस से फरियादियों का मोह भंग

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। शनिवार को कोतवाली के एडिशनल इंस्पेक्टर अवनीश प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी की मौजूदगी में उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें भूमि सम्बंधी मात्र 1 शिकायती पत्र प्रस्तुत किये गया।

कोतवाली कालपी के सभागार में आयोजित थाना दिवस मे उपजिलाधिकारी के समक्ष लाल सिंह निवासी मुहल्ला हरीगंज कालपी शिकायती पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया है कि प्रार्थी की जमीन में विपक्षी नाजायज कब्जा कर लिया है।जिसे मुक्त कराया जाये। एसडीएम ने ने कहा कि राजस्व सम्बंधित मामलों को मौके पर पहुंच कर गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण किया जाये। इस दौरान राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर प्रमुख रूप से मौजूद रहे। मालूम हो कि प्रदेश व्यापी हड़ताल के कारण लेखपाल तहसील दिवस में नहीं पहुंचे।

रक्षाबंधन व बारह वफात को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

कोटरा -उरई । रक्षाबंधन एवं बारह वफात पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर कोटरा थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना प्रभारी विमलेश कुमार ने क्षेत्रवासियों से दोनों पर्व आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की।

थाना प्रभारी ने कहा कि रक्षाबंधन और बारह वफात के पर्व पर सभी लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और कोई समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। बैठक में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष मूलचंद बिधौलिया, पत्रकार संजय सोनी,धर्मेन्द्र स्वामी शुभम स्वामी हसीन सिद्दीकी सभासद समीर पठान साबिर खान सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं संभ्रांत लोग मौजूद रहे। सभी ने पर्वों को आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण माहौल में मनाने का संकल्प लिया।

विद्यालय परिसर में जलभराव से छात्राओं की बढ़ी परेशानी, जिम्मेदारों की अनदेखी पर सवाल

(यंग भारत न्यूज)

रामपुरा जालौन। विकासखंड रामपुरा अंतर्गत कंपोजिट कन्या प्राथमिक विद्यालय मई के प्रांगण में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से इन दिनों जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। विद्यालय परिसर में पानी लबालब भरा होने के कारण छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से जमा पानी में गंदगी और कीचड़ होने से विद्यालय परिसर की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बरसात के मौसम में समस्या और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। विद्यालय परिसर में पानी जमा रहने से मच्छरों के पनपने का खतरा बढ़ गया है। इससे संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बनी हुई है। विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को इसी जलभराव वाले परिसर से होकर कक्षाओं तक पहुंचना पड़ता है। ऐसे में छात्राओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में भी चिंता व्याप्त है।स्थानीय निवासी शिवराज सिंह राजावत ने कहा कि विद्यालय बच्चों के भविष्य निर्माण का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे स्थान पर साफ-सफाई और जल निकासी की बेहतर व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। लंबे समय से समस्या बने रहने के बावजूद इसका स्थायी समाधान नहीं कराया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिम्मेदार विभाग द्वारा समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि बारिश होने पर परिसर में और अधिक पानी भर जाता है, जिससे छात्राओं को कीचड़ और गंदे पानी के बीच से गुजरना पड़ता है। इससे विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियां भी प्रभावित होने की आशंका है। तहसीलदार सिंह, दिनेश प्रताप सिंह, जगजोर सिंह, मनोज पाठक सहित अनेक ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से विद्यालय परिसर में जमा पानी की तत्काल निकासी, साफ-सफाई कराने तथा स्थायी जल निकासी की व्यवस्था किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि छात्राओं को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए।

गोहन थाना पुलिस ने चार का किया चालान

कुशवाहा समाज के प्रति कर रहे थे अवैध टिप्पणी

(यंग भारत न्यूज)

माधौगण जालौन। गोहन थाना क्षेत्र के कासिमपुर रहावली गांव में व्हाट्सऐप पर कुशवाहा समाज के खिलाफ कथित रूप से अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया। मामले को लेकर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया।जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया के माध्यम से कुशवाहा समाज को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक शब्दों और जातिसूचक टिप्पणियों का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया गया था। टिप्पणी सामने आने के बाद समाज के लोगों में नाराजगी देखने को मिली और मामले की शिकायत पुलिस से की गई।

मामले को गंभीरता से लेते हुए गोहन पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, इस प्रकरण में राजेंद्र सिंह सेंगर, पत्रकार गोल्डी सेंगर, अभिषेक सेंगर और मनोज ठाकुर के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर थाने लाया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष भेज दिया।पुलिस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में यह संदेश गया कि सोशल मीडिया पर किसी भी समाज या समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक, जातिसूचक अथवा भड़काऊ टिप्पणी करना कानून के दायरे में आता है और ऐसे मामलों में पुलिस कार्रवाई कर सकती है।फिलहाल मामले में पुलिस द्वारा नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई है। वहीं, पूरे प्रकरण को लेकर स्थानीय लोगों की भी नजर आगे होने वाली न्यायिक कार्रवाई पर बनी हुई है।

फर्जी ट्रैप कार्रवाई के विरोध में लेखपालो ने किया प्रदर्शन

-एसडीएम को ज्ञापन सौपकर निष्पक्ष जांच की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

कोंच तहसील परिसर में शनिवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन एसीओ, एंटी करप्शन एवं विजिलेंस टीम पर लेखपालों के खिलाफ कथित गलत, अनुचित और दुर्भावनापूर्ण ट्रैप कार्रवाई के आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। वही मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है।संघ ने उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर ट्रैप कार्रवाई से पहले शिकायतों की निष्पक्ष जांच और स्पष्ट मानक प्रक्रिया लागू करने की मांग की।संघ का कहना है कि लेखपाल राजस्व विभाग का अग्रिम पंक्ति का कर्मचारी है, जो गांव-गांव जाकर भूमि विवाद, पैमाइश, अतिक्रमण और अन्य राजस्व कार्यों का निर्वहन करता है। नियमों के विपरीत कार्य करने से इनकार करने पर कई बार संबंधित व्यक्ति अथवा दलाल द्वारा रंजिश में झूठी शिकायत किए जाने की आशंका बनी रहती है।ज्ञापन में 20 अगस्त 2026 को अयोध्या की तहसील सोहावल में लेखपाल उत्कर्षदीप से जुड़े प्रकरण का उल्लेख करते हुए सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और प्री-ट्रैप प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। संघ ने कहा कि भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं किया जाएगा और दोषी कर्मचारी पर नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन निर्दोष कर्मचारी को फंसाना स्वीकार्य भी नहीं किया जाएगा।संघ के अनुसार, इसी मुद्दे को लेकर प्रदेश के 75 जिलों और 351 तहसीलों में थाना दिवस का बहिष्कार कर लेखपालों ने एक दिवसीय कलम बंद हड़ताल व धरना-प्रदर्शन किया।संघ ने ट्रैप से पहले शिकायतकर्ता की पृष्ठभूमि, रंजिश और लेखपाल के अधिकार क्षेत्र की जांच तथा स्पष्ट एसओपी लागू करने की मांग की है।धरना प्रदर्शन में लेखपाल दिग्विजय सिंह, अखिलेश कुशवाह, आशीष दीक्षित, चंदन सिंह, विवेक कुमार, अंकित झां,अनुराग,दिलीप पटेल आदि मौजूद रहे।

सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाकर 9 अनुसूचित जाति आवंटियों को दिलाया कब्जा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। उपजिलाधिकारी कालपी विनय कुमार मौर्य के निर्देश पर नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला की अगुवाई में राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम बड़ागांव में सरकारी बंजर भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटवाकर अनुसूचित जाति के 9 आवास आवंटियों को कब्जा दिलाया गया। शुक्रवार को नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने ग्राम बड़ागांव स्थित सरकारी बंजर भूमि गाटा संख्या 1429 की मौके पर पैमाइश कर अतिक्रमण हटवाया। इसके बाद पात्र आवास आवंटियों को उनकी आवंटित भूमि पर कब्जा दिलाया गया।यह कार्रवाई नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ल के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सेंगर, लेखपाल नरेश राजपूत एवं लेखपाल जयवीर सिंह की मौजूदगी में की गई।इस दौरान थाना कदौरा पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

एस डी एम कालपी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय छौंक का औचक निरीक्षण किया

बच्चों के लिए बन रही दाल का स्वाद चखकर जताया संतोष,चल रहे निर्माण कार्य की परखी गुणवत्ता

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। उपजिलाधिकारी कालपी विनय कुमार मौर्य के द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, छौंक का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक, आवासीय एवं साफ-सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी श्री मौर्य ने विद्यालय में निर्माणाधीन हॉस्टल का भी निरीक्षण किया। निर्माण कार्य में प्रयोग की जा रही सामग्री के उचित व्यवस्थापन एवं व्यवस्थित रख-रखाव के संबंध में ठेकेदार को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि परिसर में किसी प्रकार की अव्यवस्था अथवा छात्राओं के लिए असुविधा न हो।विद्यालय की बाउंड्री वॉल के बाहर उगी खर-पतवार एवं झाड़ियों को देखते हुए उपजिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान छात्राओं के लिए तैयार किए गए भोजन की गुणवत्ता भी परखी गई। उपजिलाधिकारी ने स्वयं बनाई गई दाल को चखकर भोजन की गुणवत्ता का जायजा लिया तथा भोजन व्यवस्था को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कक्षाओं में जाकर छात्राओं से संवाद किया और उनकी पढ़ाई का स्तर जाना। छात्राओं से विषयवार प्रश्न पूछकर उनके शैक्षणिक ज्ञान एवं समझ का आकलन किया तथा शिक्षण व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी ने विद्यालय प्रशासन को छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वच्छता एवं आवासीय सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने देने के निर्देश दिए।

एसडीएम ने किया सीएससी का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कोंच उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का शनिवार को औचक निरीक्षण किया। अचानक हुए निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। एसडीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति, ओपीडी, इमरजेंसी कक्ष, मरीज वार्ड, प्रसव कक्ष और लेबर डिलीवरी रूम की व्यवस्थाएं देखीं। इसके अलावा जन्म प्रमाणपत्र से संबंधित कार्यों की जानकारी ली तथा पैथोलॉजी प्रयोगशाला में जांच सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने आयुष्मान केंद्र, दवा वितरण केंद्र में उपलब्ध औषधियों, चिकित्सकीय उपकरणों और एम्बुलेंस की उपलब्धता का भी जायजा लिया।एसडीएम ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए मरीजों से बातचीत कर उपचार, दवाओं और जांच सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। निरीक्षण के दौरान जहां भी कमियां मिलीं, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश प्रभारी चिकित्साधिकारी को दिए गए। उन्होंने मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।इस मौके पर सीएचसी प्रभारी डॉ. अनिल शाक्य, डॉ. रामकरन गौर, डॉ. एमएम शर्मा, सुनीता पटेल, पवन कुमार, सुशील चतुर्वेदी, महेंद्र नगाइच, कपिल सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे।

घर में आना-जाना रखने वाला व्यक्ति घर से 1.60 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात लेकर भागा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। चार साल से घर में आना-जाना रखने वाला व्यक्ति घर से 1.60 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात और मोबाइल फोन लेकर भाग गया। पीड़ित महिला ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रावतान निवासी नीतू सिंह ने पुलिस को बताया कि इटावा जिले के बकेवर निवासी सुनील सिंह का चार साल से उसके घर आना जाना था। जिससे उसके साथ पारिवारिक संबंध हो गए थे। वह उसके घर रूकता भी था। आरोप है कि बीती 30 जून 2026 की रात वह घर में रूका थां रात में गर्मी अधिक होनेपर वह छत पर सोने के लिए चली गई। रात में ही सुनील बिना बताए उसके घर से सोने के आभूषणों में ब्रजबाला, मंगलसूत्र, कान की बाली, ओम अंगूठी, चांदी की दो जोड़ी तोड़िया व एक अंगूठी समेत 1.60 लाख रुपये नकद और एक मोबाइल लेकर चला गया। वापस मांगने पर कुछ दिन में लौटाने का आश्वासन देता रहा, लेकिन सामान नहीं लौटाया। लगभग तीन लाख के सोने चांदी के आभूषण व डेढ़ लाख रुपये वापस न मिलने से वह परेशान है।

ग्राम न्यायालय की बदहाल व्यवस्था पर न्यायाधीश ने जताई नाराजगी, बोले- ऐसी स्थिति में कैसे मिलेगा न्याय?

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़। ग्राम न्यायालय की बदहाल स्थिति को लेकर न्यायाधीश विनय कुमार चाहर उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश के निरीक्षण के दौरान नाराज नजर आए। उन्होंने न्यायालय भवन की स्थिति और उससे जुड़ी कई गंभीर चिंताएं अधिकारियों के सामने रखीं। न्यायाधीश ने कहा कि जब न्याय देने वाली संस्था के भवन में ही बैठने तक की समुचित व्यवस्था नहीं है और बारिश के दौरान छत से पानी टपक रहा है, तो ऐसी परिस्थितियों में न्यायिक कार्य सुचारु रूप से कैसे संचालित किया जाएगा। उन्होंने न्यायालय में आने वाले लोगों और न्यायिक कार्य से जुड़े दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई।

बारिश के दौरान छत से पानी टपकने के कारण न्यायालय में रखी फाइलों और अन्य सामग्री के भीगने की स्थिति बनी हुई है। वहीं न्यायालय के सामने कूड़े का ढेर और आसपास बने भारी गड्ढे भी परेशानी का कारण बने हुए हैं। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश ने न्यायालय भवन की स्थिति का जायजा लिया। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि निरीक्षण के बाद जर्जर भवन, जलभराव, कूड़े और छत से पानी टपकने जैसी समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन की ओर से क्या कार्रवाई की जाती है। न्यायाधीश की चिंता साफ है कि जब न्यायालय भवन में ही बैठने और काम करने की व्यवस्था प्रभावित हो, तो न्यायिक कार्य को सुचारु रूप से संचालित करना अपने आप में बड़ी चुनौती बन जाता है।

पर्वों को लेकर पुलिस ने फुट मार्च कर नागरिकों से किया संवाद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। आगामी वराहबफात व रक्षाबंधन त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए बीती देर शाम को एसडीएम विनय कुमार मौर्य तथा सीओ राजेश कमल के नेतृत्व में पुलिस जवानों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने नगर में फुट मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस जवानों ने भीड़भाड़ वाले स्थानों, प्रमुख बाजारों, सड़कों तथा धर्मस्थलों के आसपास पैदल भ्रमण कर नागरिकों को सुरक्षा का अहसास कराया।

फुट मार्च के दौरान एसडीएम व सीओ ने जगह-जगह नागरिकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। पुलिस टीम ने रास्ते में संदिग्ध नजर आने वाले लोगों से पूछताछ भी की।पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने फुल पावर चौराहा, बाईपास, जुलैहटी मार्केट, हाईवे सर्विस लेन तथा मुख्य बाजार टरननगंज सहित विभिन्न स्थानों पर पैदल मार्च किया। इस दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी, एडिशनल इंस्पेक्टर अवनीश कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंह, टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र, रामगंज चौकी प्रभारी विशाल भड़ाना, महमूदपुरा चौकी प्रभारी सहित पुलिस जवान एवं महिला पुलिसकर्मी मौजूद रहे। अधिकारी ने थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि त्योहार के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जाए और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

पुलिस वाहन से टक्कर में वैन सवार आधा दर्जन घायल, तीन उरई रेफर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी, जालौन। शनिवार की दोपहर कालपी-मगरौल मार्ग पर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मगरौल के वाहन तथा सवारियों से भरी वैन की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में वैन सवार आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को जिला अस्पताल उरई रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक विकासखंड क्षेत्र के ग्राम गुढ़ा खास स्थित निजी इंटर कॉलेज में पढ़ाने वाली शिक्षिकाएं दोपहर के समय वैन से कालपी लौट रही थीं। इसी दौरान जोंधर पुल के पास विपरीत दिशा से आ रहे पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय मगरौल के वाहन से वैन की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी लगने से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया।इस दुर्घटना में विनीता, पुत्री कौशल उम्र 35 वर्ष निवासी मोहल्ला मनीगंज कालपी, प्रिया पुत्री वीर सिंह 20 वर्ष निवासी बड़ागांव हाल मुकाम इंदिरा नगर कालपी तथा अंशिका पुत्री वीरेंद्र 21 वर्ष निवासी कांगजीपुरा कालपी समेत करीब आधा दर्जन सवारियां घायल हो गईं। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी पहुंचाया गया। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार की टीम ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। गंभीर स्थिति को देखते हुए विनीता, प्रिया और अंशिका को जिला अस्पताल उरई के लिए रेफर कर दिया गया।चिकित्साधिकारी डा अशोक कुमार द्वारा घटना का शासकीय मेमो आवश्यक विधिक कार्रवाई के लिए कालपी कोतवाली भेज दिया गया है।

कोतवाली हुआ थाना समाधान दिवस का आयोजन

मौके पर आई सात शिकायतो में 2 का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली परिसर में उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव की अध्यक्षता एवं क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद व कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह की उपस्थित में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया।समाधान दिवस में राजस्व से संबंधित 5 व पुलिस से संबंधित 2 प्रार्थनापत्र पत्र हुए लेकर मौके पर पुलिस से संबंधित आए प्रार्थनापत्रो का निस्तारण कर दिया गया।वही लेखपालो द्वारा समाधान दिवस का बहिष्कार करने के कारण राजस्व से संबंधित प्रार्थनापत्रो का निस्तारण नही हो सका।समाधान दिवस की अध्यक्षता कर रहे एसडीएम अभिनव कुमार ने कहा कि थाना समाधान दिवस पर आने बाले सभी प्रार्थनापत्रो का समय से तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करे।उन्होने कहा लापरवाही कतई बर्दाश्त नही की जाएगी।वही समाधान दिवस में उपस्थित क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद ने अधीनस्थो को निर्देश दिए कि थाने में आने बाले फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुने तथा उसका निस्तारण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट करे।उन्होने कहा शिकायतकर्ता को बार बार चक्कर न काटने पडे।इस मौके पर वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, उपनिरीक्षक अशोक वर्मा,शिवनारायण आदि मौजूद थे।

आवारा कुत्तो के झुंड ने भेड़ो पर हमला बोला, तीन दर्जन भेडो की मौत

आवारा कुत्तों से जानवर तो छोड़िए, नागरिक भी परेशान

(यंग भारत न्यूज)

कोंच आवारा कुत्तों के झुंड के हमले में करीब तीन दर्जन भेंड़ों की मौत हो जाने की शिकायत कर भेड़ पालक ने कार्यवाही किए जाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार जासूद खान पुत्र शुभान खान ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि वह नगर में एट तिराहे के पास एक स्थान पर अपनी भेड़ों को पाले हुए है। शुक्रवार/शनिवार की रात करीब ढाई बजे वह और उसके परिवार के सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे तभी अचानक आवारा कुत्तों के झुंड ने उनकी भेडो पर हमला बोल दिया जिस कारण तक़रीबन तीन दर्जन भेंड़े गंभीर रूप से चुटहिल हो गयी जिससे 35 भेंडें की मौत हो गईं।शिकायतकर्ता ने बताया उसका तक़रीबन सवा तीन लाख रुपए का आर्थिक नुकसान हुआ है। शिकायतकर्ता जासूद खान ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर नुकसान की भरपाई कराए जाने की मांग की है।

जूते में छिपे सांप ने छात्र को काटा,परिजन सीएचसी लेकर पहुंचे, हो रहा है इलाज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नगर के मुहल्ला गांधी नगर में शनिवार सुबह घर में जूते पहनने की तैयारी कर रहे कक्षा 12 के छात्र को जूते में छिपे सांप ने काट लिया। अचानक हुई घटना से परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन आनन-फानन में छात्र को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया।जानकारी के अनुसार गांधी नगर निवासी प्रदीप चंद्र ताम्रकार का 18 वर्षीय पुत्र अभिनव ताम्रकार न विद्या मंदिर में इंटरमीडिएट का छात्र है। शनिवार सुबह करीब आठ बजे अभिनव स्कूल जाने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसने घर में रखे जूते पहनने के लिए उनमें से मोजे निकाले।तभी जूते के अंदर पहले से मौजूद सांप ने जैसे ही अभिनव ने जूते से मोजे निकालने का प्रयास किया, सांप ने उसके पैर में काट लिया।सांप के काटने के बाद छात्र घबरा गया और घटना की जानकारी परिजनों को दी। छात्र को सांप के काटने की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी परेशान हो गए। बिना समय गंवाए परिजन अभिनव को लेकर सीएचसी पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों ने छात्र का तत्काल उपचार किया। फिलहाल अभिनव का उपचार सीएचसी में जारी है। घटना के बाद परिजन उसके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। वहीं, इस घटना ने घरों में रखे जूतों और अन्य सामान को इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह जांचने की जरूरत भी सामने ला दी है।

'मेरा रेशम मेरा अभिमान 2.0' के तहत हितधारक परामर्श कार्यक्रम आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। मंगलवार को केंद्रीय रेशम बोर्ड के तत्वावधान में 'मेरा रेशम मेरा अभिमान 2.0' अभियान के अंतर्गत तहसील कालपी के ग्राम पंचायत सचिवालय शेखपुर गुढ़ा में हितधारक परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रेशम कृषकों सहित 50 से अधिक हितधारकों ने प्रतिभाग किया। विशेषज्ञों ने रेशम उत्पादन से जुड़ी वैज्ञानिक तकनीकों और संभावनाओं की जानकारी देकर किसानों को जागरूक किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान रामबाबू निषाद ने की। इस दौरान केंद्रीय रेशम बोर्ड के वैज्ञानिक-डी डॉ. हसनसाब नद्दाफ, रेशम विकास अधिकारी मनोज कुमार पटेल तथा केंद्रीय रेशम बोर्ड के सहायक मुकेश कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे।वैज्ञानिक-डी डॉ. हसनसाब नद्दाफ ने प्रतिभागियों को 'मेरा रेशम मेरा अभिमान 2.0' के ढांचे, उद्देश्यों, कार्यान्वयन रणनीति तथा विभिन्न हितधारकों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जिला स्तर पर रेशम क्षेत्र के समग्र विकास के लिए हितधारकों की सक्रिय भागीदारी पर जोर देते हुए वैज्ञानिक तकनीकों को प्रयोगशाला से खेत तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। ग्राम प्रधान रामबाबू निषाद ने हितधारकों से जिला रेशम विकास योजना तैयार करने में अपने अनुभव, सुझाव एवं सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रेशम पालन ऐसी महत्वपूर्ण गतिविधि है, जिसमें वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाकर कम अवधि में बेहतर आय अर्जित करने की संभावनाएं मौजूद हैं। हितधारकों की सहभागिता से आयोजित इस परामर्श कार्यक्रम को जालौन जिले के बेसलाइन सर्वेक्षण तथा सहभागी जिला रेशम विकास योजना तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार बताया गया।

15 साल का सूखा खत्म कर त्रीसा-गायत्री ने किया मेडल पक्का

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप : 69 मिनट में चीनी जोड़ी को पछाड़ सेमीफाइनल में किया प्रवेश

नई दिल्ली

भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने पहला गेम गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए महिला युगल क्वार्टर फाइनल में चीन की जिया यी फैन और झांग शु जियान को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में पदक पक्का किया। भारत की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 1 घंटे 9 मिनट तक चले मैच में 16-21 21-15 21-13 से जीत हासिल की। उन्होंने अंतिम चार में पहुंचकर अपने लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया। भारत ने पिछली बार 2011 में महिला युगल में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीता था। तब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने लंदन में कांस्य पदक हासिल किया था।

पहले गेम के बाद बदली रणनीति

गायत्री ने कहा, 'हम आज पूरी कोशिश कर रहे थे। लेकिन पहले गेम के बाद हमने अपनी रणनीति बदल दी। शुरुआत में यह थोड़ा मुश्किल था लेकिन हम संयमित रहे और जीत हासिल करने में कामयाब रहे।' जैसा ने दबाव वाली स्थितियों से निपटने में मदद के लिए मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद को शांत बने रहने की सलाह को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा चाहते हैं कि हम शांत रहें और वर्तमान पल में रहें। मुझे लगता है कि आज हमने सही से काम किया। मुझे लगता है कि हमें इसी तरह की सलाह मिली थी।'

लगातार छह अंक हासिल

त्रीसा और गायत्री शुरुआत में 1-6 से पिछड़ गईं, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह अंक हासिल करके स्कोर 9-9 कर दिया। चीन की टीम ने हालांकि इंटरवल तक तीन अंक की बढ़त बना ली थी। भारतीय जोड़ी ने अपना प्रयास जारी रखा और कुछ बेहतरीन रैलियों के बाद 15-15 के स्कोर पर चीनी खिलाड़ियों के करीब पहुंच गईं। हालांकि झांग और जिया ने 17-14 की बढ़त हासिल करने के बाद पहला गेम जीत लिया। झांग और जिया ने दूसरे गेम में भी अच्छी लय बरकरार रखी और पहले 5-1 और फिर 10-7 से बढ़त ले ली। भारतीय जोड़ी ने हालांकि जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 कर दिया। मुकाबला काफी कड़ा रहा और एक समय स्कोर 15-14 तक पहुंच गया लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही 19-14 की बढ़त बना ली और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया।

टेस्ट क्रिकेट में 42 मैचों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनरों ने किया 11 बार आउट

दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो में

जयसूर्या के 'स्पिन जाल' को तोड़ने की तैयारी, गिल ने नेट्स पर बहाया पसीना

कोलंबो

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बाएं हाथ के स्पिनरों के सामने अपने निराशाजनक प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए इस तरह के गेंदबाजों के सामने कड़ा अभ्यास किया।

गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में गिल बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या के हाथों दो बार आउट हुए। इस मैच में उन्होंने 16 और 8 रन बनाए। भारत ने यह मैच 165 रन से जीता। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से शुरू होगा।

गिल सही लाइन का अनुमान नहीं लगा पाने के कारण बाएं हाथ के परंपरागत गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए थे। पहले टेस्ट मैच में भी जयसूर्या को खेलने में उन्हें परेशानी हो रही थी। टेस्ट क्रिकेट में 42 मैचों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनरों ने 11 बार आउट किया है।

गिल ने किया सुधार जडेजा का सामना

गिल ने पिछली प्रैक्टिस सत्र की नेट पर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ लगातार अभ्यास किया। उन्होंने काफी समय तक स्थानीय गेंदबाजों का सामना किया। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने पिच के बारे में जानकारी दी और कहा कि हम कोलंबो की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश कर रहे हैं।

कुलदीप यादव ने नहीं किया अभ्यास

पहले टेस्ट मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव टीम के साथ अभ्यास के लिए पहुंचे थे लेकिन उन्होंने न तो गेंदबाजी की और न ही बल्लेबाजी। दूसरी तरफ ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने आकाश दीप और शुभमन गिल को कुछ ओवर फेंके। उन्होंने पंत को भी मैदान पर मुश्किल में भी डाला। लेकिन अभी यह कहना मुश्किल है कि दूसरे टेस्ट मैच में कुलदीप की जगह सुंदर को मिलेगी।

नेट प्रैक्टिस में अनुपस्थित रहे राहुल

बहुतुले ने कहा, 'राहुल और कुलदीप दोनों आराम कर रहे हैं। हमने पांच दिन का मैच खेला है। हम उनके कार्यभार का ध्यान रख रहे हैं। इसलिए ऐसा किया गया।' पहले टेस्ट मैच में कुलदीप संघर्ष करते हुए नजर आए। उन्होंने 25 ओवर में 106 रन लुटाए और केवल एक विकेट लिया। यह विकेट भी उन्हें पिच के असमान उछाल के कारण मिला। केवल राहुल नेट प्रैक्टिस से अनुपस्थित थे, जबकि मध्य क्रम के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने थोड़ी देर के लिए बल्लेबाजी की।

श्रीलंका टीम में शामिल हुए अरचिगे और मिशारा

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर सहन अरचिगे और बल्लेबाज कामिल मिशारा को टीम में शामिल किया है। अरचिगे को रमेश मेंडिस की जगह टीम में लिया गया है। उन्होंने अब तक पांच वनडे और एक टी20 मैच खेला है। अरचिगे ने पिछले महीने श्रीलंका ए की कप्तानी करते हुए भारत ए के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने कुल 209 रन बनाए थे और वह साई सुदर्शन (332 रन) के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मिशारा ने टीम में निशान फर्नांडो की जगह ली, जिनका पहले टेस्ट मैच में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। पारिंदु सूरियाबंडारा चोटिल दिनेश चांदीमल की जगह टीम में बने रहेंगे।

सिनसिनाटी ओपन

सेमीफाइनल में स्वियातेक चोटिल रायबाकिना बाहर

मेसन

एलेना रायबाकिना के टखने की चोट के कारण पहले सेट से हट जाने से इगा स्वियातेक ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जब दूसरे नंबर की खिलाड़ी रायबाकिना 1-4, 40-40 के स्कोर पर सर्व कर रही थीं, तब उन्होंने अपने बाएं टखने का इलाज कराने के लिए मेडिकल टाइमआउट लिया और कुछ ही क्षण बाद मैच से हट गईं। मौजूदा चैंपियन स्वियातेक ने सिनसिनाटी में अपने पिछले चार मुकाबलों में से प्रत्येक में कम से कम सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा।

सेमीफाइनल में पहुंचे आर्थर फिल्स

आर्थर फिल्स ने सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। फिल्स ने 64 मिनट तक चले मुकाबले में थियागो अगस्टिन टिरांटे को 6-3, 6-2 से हराया। फिल्स ने इस सीजन के तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 22 साल के फिल्स एक सीजन में तीन मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले फ्रांसीसी बन गए। उनसे पहले गाइ फॉरगेट ने 1991 में यह उपलब्धि हासिल की थी। फरवरी में आठ महीने की चोट के बाद वापसी करते हुए फिल्स का शानदार सीजन रहा है। पहले सेट में 4-3 पर एक अहम ब्रेक हासिल करने के बाद, फिल्स ने लगातार जबरदस्त फोरहैंड लगाए, जिससे टिरांटे लगातार बैकफुट पर रहे। 22 साल के खिलाड़ी ने दूसरे सेट में अर्जेंटीना के खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी और पूरे मैच के दौरान उन्हें कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

खबर संक्षेप

हैदराबाद में होगी टेनिस प्रीमियर लीग

हैदराबाद। टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का आठवां सत्र 8 से 13 दिसंबर तक हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा की। 8 टीमों का यह टूर्नामेंट तेलंगाना सरकार के सहयोग से एलबी टेनिस स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। यह टूर्नामेंट 25 अंक के विशिष्ट प्रारूप में खेला जाएगा। इस लीग में जीएस दिल्ली एसेस, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, लखनऊ ब्लेजर्स, गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स, गुजरात पैंथर्स, राजस्थान रेंजर्स, कोलकाता थंडर ब्लेड्स और मुंबई गॉबल्स की टीम प्रतिस्पर्धा करती हैं। पिछली बार यह टूर्नामेंट अहमदाबाद में खेला गया था।

डुप्लांटिस ने पोल वॉल्ट में जीता गोल्ड, विश्व रिकॉर्ड से चूके

लुसाने। मोंडो डुप्लांटिस ने डायमंड लीग प्रतियोगिता में पोल वॉल्ट में स्वर्ण पदक जीता लेकिन वह विश्व रिकार्ड बनाने से चूक गए। ओलंपिक और विश्व चैंपियन ने 6.32 मीटर का नया विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए दो प्रयास किए, लेकिन इसमें नाकाम रहे। डुप्लांटिस ने 6.21 मीटर की ऊंचाई को पहली बार में ही पार कर लिया, जो उनका मार्च के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में 6.25 मीटर की ऊंचाई पार करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था और स्वर्ण पदक जीता था। डुप्लांटिस के घनिष्ठ मित्र और प्रतिद्वंद्वी एम्मानुइल कारालिस ने 6.16 की ऊंचाई पार की और उन्होंने रजत पदक जीता।

अंडर-20 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप

काजल ने जीता लगातार दूसरा खिताब

प्रातिस्लावा

काजल धोचक ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अंडर-20 कुश्ती विश्व चैंपियनशिप में लगातार दूसरी बार खिताब जीता, जबकि तनु शर्मा और सविता को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। काजल ने फाइनल में चीन की जियारू सन को 7-0 से हराकर 76 किलोग्राम वर्ग का खिताब अपने नाम किया। इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल 72 किलोग्राम वर्ग में अंडर-20 विश्व खिताब जीता था। काजल पहले ही सीनियर स्तर पर पहुंच चुकी है। उन्होंने इस साल जून में मंगोलिया में रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने जुलाई में बुडापेस्ट प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने पटाया में अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप भी जीती।

तनु ने योशिदा के खिलाफ किया कड़ा मुकाबला

इस बीच तनु ने 72 किलोग्राम वर्ग में जापान की चिहारु योशिदा के खिलाफ स्वर्ण पदक के मैच में कड़ा मुकाबला किया, लेकिन आखिर में 3-5 से हार गईं। सविता 62 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में जापान की साकुरा ओनिशी से तकनीकी श्रेष्ठता (2-12) से हार गईं। मानसी लाठर भी 68 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक की दावेदार हैं। फाइनल में उनका मुकाबला चीन की चेनलिंग सोंग से होगा, जबकि कोमल 59 किलोग्राम वर्ग के रेपचेज राउंड में स्पेन की रोजा मोलिना रोड्रिगेज से भिड़ेंगी। भारत के किसी भी ग्रीको रोमन पहलवान ने पदक नहीं जीता।

लीड्स टेस्ट : तेंदुलकर की बराबरी पर पहुंचे रूट, पाकिस्तान के खिलाफ बनाया रिकॉर्ड

लीड्स

इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हेडिंग्ले में जारी है। इस टेस्ट मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने 112 गेंद में 66 रन की पारी खेली, जिसके चलते रूट ने टेस्ट क्रिकेट में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के एक बड़े मुकाम पर कदम रख दिया है। रूट अब टेस्ट क्रिकेट में एक और फिफ्टी प्लस स्कोर की पारी खेलते हैं तो वह सचिन तेंदुलकर से आगे भी निकल जाएंगे। क्योंकि रूट और सचिन अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक फिफ्टी जड़ने के मामले में बराबरी पर हैं। वहीं पहली पारी में इंग्लैंड की पूरी टीम 409 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

पहली पारी में इंग्लैंड की टीम 409 रन बनाकर ऑलआउट

टेस्ट क्रिकेट में 14,180 रन बना चुके रूट

वहीं, जो रूट की बात करें तो टेस्ट क्रिकेट में वो अभी तक 14,180 रन बना चुके हैं। उनकी निगाहें टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने के सचिन तेंदुलकर के बड़े रिकॉर्ड पर टिकी हुई हैं। सचिन तेंदुलकर के नाम 200 टेस्ट मैचों में कुल 15,921 रन दर्ज हैं और वह तेंदुलकर से अभी 1,741 रन पीछे हैं। 35 साल के रूट अभी टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और आने वाले सालों में टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने के रिकॉर्ड को अपने नाम करना चाहेंगे।

रूट ने जड़ी 68वीं फिफ्टी

रूट ने जैसे ही इंग्लैंड के लिए पाकिस्तान के खिलाफ फिफ्टी जड़ी, वो सचिन तेंदुलकर के मुकाम पर आ गए। रूट की टेस्ट क्रिकेट में ये 68वीं फिफ्टी थी और इतनी ही फिफ्टी टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर लगा चुके हैं। सचिन ने लेकिन 68 टेस्ट फिफ्टी के लिए 200 टेस्ट मैच खेले। वहीं, रूट ने 163वें टेस्ट मैच में इस कारनामे को अपने नाम कर लिया है। रूट और सचिन अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक फिफ्टी जड़ने वाले बैटर हैं, तो रूट के पास सचिन से आगे निकलने का मौका भी है। इन दोनों के बाद 66 टेस्ट फिफ्टी वेस्टइंडीज के पूर्व बल्लेबाज शिवनारायण चंद्रपाल के नाम दर्ज हैं।

हॉकी विश्व कप : कप्तान हरमनप्रीत की ललकार- पूरे 60 मिनट सिर्फ अटैक!

डच चुनौती के खिलाफ 'करो या मरो' का मुकाबला आज

एमस्टेलवीन

पेरिस ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड के खिलाफ शनिवार को विश्व कप के दूसरे दौर के मुकाबले को 'करो या मरो' का बताते हुए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि उन्होंने टीम से इतना ही कहा है कि पूरे 60 मिनट अच्छी हॉकी खेलनी पड़ेगी।

पूल डी में पहले दौर में वेल्स और पाकिस्तान को हराने वाली भारतीय टीम इंग्लैंड से हार गई थी, जिससे दूसरे दौर में उसके पास एक भी अंक नहीं होगा। इंग्लैंड पूल डी में भारत पर मिली जीत के तीन अंक लेकर दूसरे दौर में उतरेगा जबकि पूल ए से नीदरलैंड के पास भी तीन अंक हैं लिहाजा भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनाए रखने के लिए नीदरलैंड और अर्जेंटीना को हराना होगा।

शैली और तेवर में बदलाव नहीं

हरमनप्रीत ने कहा, 'एक क्वार्टर में अच्छा खेलने से नहीं चलेगा, 60 मिनट अहम हैं और पूरे मैच में अच्छा खेलना है। बड़ा बनाने के बाद भी शैली और तेवर में बदलाव नहीं होना चाहिए। जब तक आखिरी सीटी नहीं बजती है हमारी सोच सकारात्मक और जज्बा कायम रहे।' उन्होंने कहा, 'हमने पिछले तीन मैचों में अपनी गलतियों का वीडियो विश्लेषण किया है और फोकस यही रहेगा कि उन्हें दोहराया नहीं जाए। डिफेंस मजबूत रहेगा तो हमें पता है कि हम विरोधी सर्कल में जाकर मौके बना सकते हैं और पेनल्टी हासिल कर सकते हैं। अपनी ताकत से खेल नहीं बदलते हैं।'

तालमेल पर करेंगे फोकस

एक टीम के तौर पर हम रोटेशन, रफ्तार और तालमेल पर फोकस करेंगे। राजिंदर, जुगराज, दिलप्रीत जैसे युवा खिलाड़ी अच्छा खेल रहे हैं और हर लाइन में हमारे पास अनुभवी खिलाड़ी हैं और यह हम सभी पर है कि जिम्मेदारी से खेलकर उनका मार्गदर्शन करें।' टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक पांच गोल कर चुके हरमनप्रीत डच टीम के निशाने पर होंगे लेकिन उन्होंने कहा कि टीम पर या उन पर कोई दबाव नहीं है। उन्होंने कहा, 'कोई दबाव नहीं है, स्पष्ट है कि मैच जीतना ही है। जब आपके पास विकल्प नहीं होते तो करो या मरो के मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना ही होता है।

चोट से उबरे अल्काराज खेलेंगे यूएस ओपन

न्यूयॉर्क

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज चोट से उबरकर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने के लिए तैयार हैं। अल्काराज ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह यूएस ओपन के लोगो के सामने दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर का शीर्षक था 'चलिए, शुरू करते हैं।'

सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज अप्रैल से ही दाहिनी कलाई की चोट के कारण बाहर हैं। इस कारण वह फ्रेंच ओपन और विंबलडन में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। अल्काराज ने पिछले साल यूएस ओपन के फाइनल में यानिक सिनर को हराकर दूसरी बार यह टूर्नामेंट जीता था। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन भी जीता, लेकिन बार्सिलोना ओपन में अपना पहला मैच जीतने के बाद वह टूर्नामेंट से हट गए। खेल से बाहर रहने के बावजूद वह विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

राजकुमार ने 'बंटवारा 1947' के खस्ता हाल पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई। सनी देओल की 'बंटवारा 1947' की हालत बॉक्स ऑफिस पर बेहद बुरी है। करीब 150 करोड़ के बजट में बनी यह फिल्म पहले हफ्ते में महज 33.60 करोड़ का नेट कलेक्शन कर पाई है। फिल्म का यह हाल क्यों हुआ, इसको लेकर तमाम तरह के तर्क दिए जा रहे हैं। एक तर्क यह भी है कि शायद सनी देओल के किरदार को मुसलमान दिखाना, दर्शकों को रास नहीं आया! अब डायरेक्टर राजकुमार संतोषी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने बताया है कि फिल्म में सनी देओल को एक मुस्लिम किरदार में कास्ट किए जाने की बात पर चर्चा हुई है। यह बात उनके मन में आई थी कि ऐसा किया जाना चाहिए या नहीं। जब राजकुमार संतोषी से पूछा गया कि क्या सनी देओल के मुस्लिम किरदार निभाने से फिल्म को किसी तरह का नुकसान हुआ? उन्होंने माना, 'हमने इस बारे में सोचा था।'

लाइफ Style

तापसी

बदला, संघर्ष और मां का अटूट प्यार

एजेंसी ▸▸ मुंबई

तापसी पन्नू की नई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' की रिलीज डेट तय हो गई, फिल्म ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। कनिका ढिल्लों द्वारा लिखित और देवाशीष मखीजा निर्देशित इस फिल्म में तापसी अपनी बेटी को बचाने वाली उग्र मां के किरदार में दिखेंगी। 'फिर आई हसीन दिलरुबा' की शानदार सफलता के बाद तापसी पन्नू और लेखिका-निर्माता कनिका ढिल्लों की जोड़ी एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर वापसी कर रही है।

देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी यह फिल्म एक मां के अपने बच्चे को बचाने के लिए उठाए जाने वाले चरम कदमों और उसकी अटूट निष्ठा पर आधारित है। जारी किए गए पोस्टर में तापसी पन्नू एक बेहद उग्र और मजबूत महिला के रूप में केंद्र में दिखाई दे रही है। डार्क और सस्पेंस भरे बैकग्राउंड के साथ उनके पीछे एक देवी की छाया नजर आती है, जो प्रतिशोध, संघर्ष और रक्षा की एक गहरी कहानी की ओर इशारा करती है। पोस्टर में तापसी के आसपास चार अन्य किरदारों को भी स्थान दिया गया है। पोस्टर साझा करते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया ने कैप्शन में लिखा कि सबकी आंखों से बहुत जल्द पर्दा उठने वाला है और 'गांधारी' 3 सितंबर को प्लेटफॉर्म पर आ रही है। यह एक्शन से भरपूर इमोशनल-थ्रिलर फिल्म 3 सितंबर 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिल्म में तापसी पन्नू मुख्य भूमिका 'बनी' का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी लापता बेटी की तलाश में किसी भी हद तक जाने को तैयार है। तापसी के अलावा फिल्म में इश्वाक सिंह, छाया कदम, स्वस्तिका मुखर्जी, नीता वशिष्ठ और जतिन सरना जैसे मंझे हुए कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए लेखिका और निर्माता कनिका ढिल्लों ने बताया कि 'गांधारी' के जरिए वे एक ऐसी महिला की कहानी बताना चाहती थीं जो विपरीत परिस्थितियों के आगे झुकने से साफ इनकार कर देती है।

हॉलीवुड मसाला

एवेंजर्स डूम्सडे के लिए मार्वल ने दी गाइडलाइन

मुंबई। मार्वल स्टूडियोज की फिल्मों के फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं एवेंजर्स: डूम्सडे का। इसी बीच डिज्नी प्लस व मार्वल स्टूडियोज ने दे दिया है एक लंबा-चौड़ा होमवर्क, ताकि समझ आए डूम्सडे की पहेली। डिज्नी फिल्म को समझने के लिए फैंस अक्सर उसकी कहानी देखने आते हैं मगर डॉक्टर डूम्सडे की बात अलग है। अपनी फिल्मों को एक-दूसरे से बेहद बारीकी से गूंथने में उस्ताद मार्वल स्टूडियोज एक बार फिर फैंस को परखने जा रहे हैं। एवेंजर्स: डूम्सडे के लिए मार्वल स्टूडियोज व डिज्नी प्लस ने 15 फिल्मों की एक आधिकारिक वॉचलिस्ट जारी की है। मार्वल स्टूडियोज के अनुसार, यदि आप तीन अलग-अलग यूनिवर्स (अर्थ-616, अर्थ-828 या फैंटास्टिक फोर और फॉक्स का एक्स-मैन यूनिवर्स) के टकराव का पूरा रोमांच समझना चाहते हैं तो आपको 15 मूविज प्रोजेक्ट्स को देखना ही होगा।

पार्ट 2 में माइकल के किए नेक कामों को पेश करेंगे : जाफर

लॉस एंजिल्स। अभिनेता माइकल जैक्सन के जीवन पर आधारित फिल्म 'माइकल' दर्शकों को काफी पसंद आई थी। फिल्म में माइकल का किरदार निभाने वाले अभिनेता जाफर जैक्सन ने अब इसके अगले भाग के बारे में जानकारी दी है। एक इंटरव्यू के दौरान जाफर ने बताया कि इसके अगले दूसरे भाग में वो 'माइकल' के किए नेक कामों को पेश करेंगे। फिल्म बच्चे के दशक से लेकर माइकल के जीवन के अंतिम क्षणों तक की कहानी दिखाएगी। जाफर ने कहा, 'उन्होंने कभी दूसरों में अच्छाई ढूंढने की अपनी आदत को नहीं बदला। चाहे उन्होंने कितनी भी मुश्किलों का सामना किया हो, उनके बारे में कैसा भी बर्ताव किया गया हो, उनके बारे में कितनी भी बातें कही गई हों, वो लोगों के साथ दयालुता से ही पेश आए। उन्होंने लोगों में अच्छाई ढूंढने की चाहत कभी नहीं छोड़ी भले ही वह अंदर से टूटे हुए थे, उनका दिल फिर भी वैसा ही रहा। मुझे उम्मीद है कि यह भावना दूसरी फिल्म में दर्शकों को भी महसूस होगी।'

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में मलाइका के जलवे

मुंबई। मलाइका अरोड़ा अपने लुक और फिटनेस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती है। 52 साल की उम्र में भी वे स्टाइल के मामले में नई एक्ट्रेस को मात देती है। उनका ऐसा ही अलहदा अंदाज इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में भी देखने को मिला। मलाइका अरोड़ा आईएफएफएम 2026 में शिरकत करने पहुंची थीं। उनकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। खुद मलाइका ने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न से अपनी खूबसूरत झलकियां शेयर की हैं। मलाइका ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'एक साल बाद मेलबर्न वापसी। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न का शुक्रिया हमें दोबारा बुलाने और ऐसा एहसास दिलाने के लिए कि हम कभी गए ही नहीं थे। अच्छी फिल्मों, बेहतरीन लोगों और और भी शानदार यादों के नाम रहा ये खूबसूरत समय'। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 का आयोजन 23 अगस्त तक चलेगा।

बबीता सिंह रिपोर्टिंग का ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन प्लेटफॉर्म में से एक प्राइम वीडियो ने शुक्रवार को अपनी आगामी प्राइम ओरिजिनल फिल्म बबीता सिंह रिपोर्टिंग का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज कर दिया है और वर्ल्डवाइड प्रीमियर की तारीख की घोषणा कर दी है। इस रोमांचक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा का निर्देशन अंबिएका पंडित ने और लेखन अमिता व्यास ने किया है। फिल्म का निर्माण फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शंस ने एक्ट थ्री के साथ मिलकर सौरभ मल्होत्रा, मनुज मित्तल और टीना थरवानी ने किया है। फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सुदीप शर्मा हैं और फिल्म में निमिषा सजयन, वरुण सोबती और अंशुमन पुष्कर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। बबीता सिंह रिपोर्टिंग का प्रीमियर 28 अगस्त को होगा। यह फिल्म भारत समेत दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में हिंदी में (अंग्रेजी सबटाइटल्स के साथ) सिर्फ प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी।

टीवी मसाला

श्वेता के लिए दूल्हा ढूंढ रहीं मल्लिका, रणवीर को बताया बुड्ढा

नई दिल्ली। श्वेता तिवारी के लिए दूल्हा चाहिए तो मल्लिका शेरावत तैयार हैं। रणवीर बराड़ जल्दी से उनका हाल दें तो उनके लिए 'सीरम बुड्ढा' भी तैयार है। लाखों पत्नी का बोलने का अंदाज पसंद आया तो उनकी कलम में हो जाएगी। क्रिस्टल डिसूजा तो पी जी उनके आंसुओं को भी पहचान होंगी। और इन सबके बीच थोड़ा समय बढ़ जाए तो आपकी टेबल पर कैंडललाइट डिनर उसे 'हैप्पीनेस' ब्लॉक में बना दिया जाएगा। करण जौहर के रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' के आने वाले एपिसोड्स में मल्लिका शेरावत के ऐसे ही कई रंग देखने को मिलेंगे। शो में कई जाने पहचाने चेहरे भरोसे और शक के बीच फंसे हैं। कोई किसी की वफादारी पर सवाल उठा रहा है तो कोई खुद को ही सही साबित करने में लगा है। ऐसे माहौल में मल्लिका की नजर सब पर है। श्वेता तिवारी के मामले में तो मल्लिका ने जैसे मैचमेकिंग की जिम्मेदारी ही अपने सिर ले ली है। वह शुरू से ही श्वेता के लिए अच्छे जीवनसाथी की बात करती रही हैं। अब तो उन्होंने बाकायदा तय किया कि वह श्वेता को एक अच्छे यूरोपियन पुरुष से मिलवाएंगी। ऐसा पुरुष जो उन्हें प्यार करे, उनकी कद्र करे और उन्हें खुश रखे। रणवीर बराड़ की बारी आई तो मल्लिका को लगा कि रणवीर हर बात को समझाने और ज्ञान देने में ज्यादा ही आगे रहते हैं। बस फिर क्या था, उन्होंने रणवीर को अपने ही अंदाज में 'सीरम बुड्ढा' बता दिया। मल्लिका का मतलब यह नहीं था कि रणवीर उम्र में बड़े लगते हैं, वह बस उनके इस अंदाज की खिंचाई कर रही थीं। मल्लिका सिर्फ यह नहीं रुकतीं हैं।

ऑपरेशन सफेद सागर में राजू को दिया गया सम्मान

नई दिल्ली। ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज 1999 के कारगिल युद्ध की कहानी पर आधारित है। सीरीज में परिवार पसंद दिखाया गया है। हालांकि, सीरीज में एक खास बात यह भी है कि इसके हर एपिसोड के अंत में दिवंगत कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि दी गई है। सीरीज के हर एपिसोड के अंत में राजू श्रीवास्तव को धन्यवाद किया गया है। इस सीरीज का राजू श्रीवास्तव के परिवार के लिए विशेष महत्व है। सीरीज के सह निर्माता कुणाल श्रीवास्तव कॉमेडियन के भतीजे हैं। इस प्रोजेक्ट की जानकारी राजू को उनके निधन के पहले से थी। पहले इस सीरीज का निर्माण फिल्म के रूप में किया जाना था, मगर फिर इसे सीरीज के तौर पर रिलीज किया गया। मई 2025 में इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म

नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था। कुणाल श्रीवास्तव ने अपने चाचा राजू के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम किया था। सितंबर 2022 में हुए कार्डियक अरेस्ट के बाद राजू का निधन हो गया। इसके बाद वह फिल्म निर्माण की पढ़ाई के लिए मुंबई चले गए।

कहानी पर निर्भर करता है फिल्म की सफलता का 70 फीसदी हिस्सा

मुंबई। भले ही 'भूल भुलैया 4' की चर्चा हो रही हो, मगर अनीस बज्मी का कहना है कि इस फ्रेंचाइजी का अगला पार्ट तभी बनेगा जब टीम को ऐसी कहानी मिलेगी, जो पिछली फिल्मों के लेवल की हो। 'भूल भुलैया 2' और '3' का निर्देशन करने वाले बज्मी कहते हैं कि कार्तिक आर्यन के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग है, लेकिन सिर्फ एक्टर के होने से ही फिल्म को मंजूरी नहीं मिल जाती। एक बातचीत में अनीस बज्मी के हवाले से लिखा कि एक और 'भूल भुलैया' बनाना मुश्किल है। हमने तीसरी फिल्म में अपने लगभग सारे दांव खेल दिए थे। कार्तिक और मेरी समझ बहुत अच्छी है। वह बहुत मेहनती अभिनेता हैं। कहानी मायने रखती है। अगर हमें कोई जबरदस्त कहानी मिलती है, तो हम जरूर फिल्म बनाएंगे। फिल्म की सफलता का 70% हिस्सा कहानी पर निर्भर करता है। अनीस बज्मी विद्या बालन और अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली बिना नाम वाली कॉमेडी फिल्म का भी इंतजार कर रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने पहले 'वेलकम' फ्रेंचाइजी में काम किया था। वह बताते हैं, 'अक्षय और मैंने 'वेलकम' बनाई थी, जिसे लोग आज भी देखते हैं और पसंद करते हैं। हमारे बीच बहुत प्यार और सम्मान है। हमने साथ में एक और बहुत अच्छी कॉमेडी फिल्म बनाने की कोशिश की है।' जब वह 'वेलकम' का जिक्र करते हैं, तो 'वेलकम टू द जंगल' का टॉपिक भी आता है, जिसे डायरेक्ट करने के लिए उनसे संपर्क किया गया था। हालांकि उन्होंने फिल्म का निर्देशन नहीं किया। उनका कहना है कि उन्हें टीम से कोई शिकायत नहीं है।

राजेश, राजेंद्र सुनील संग सिनेमा पर किया राज

25 साल की शर्मिला ने किया था कमाल, 1969 में रिलीज हुईं 5 फिल्में

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में शर्मिला टैगोर का नाम उन अभिनेत्रियों में लिया जाता है, जिन्होंने ग्लैमर के साथ दमदार अभिनय से भी अपनी पहचान बनाई। साल 1969 उनके करियर के लिए बेहद खास रहा। इस साल उनकी पांच हिंदी फिल्में रिलीज हुईं। इनमें राजेश खन्ना के साथ आराधना, धर्मेंद्र के साथ सत्यकाम और यकीन, राजेंद्र कुमार के साथ तलाश और सुनील दत्त के साथ प्यासी शाम शामिल थीं। आराधना ने तो उनकी लोकप्रियता को नई ऊंचाई दी। खास बात यह है कि इसी दौर को लेकर शर्मिला टैगोर ने एक इंटरव्यू में अपनी प्रेग्नेंसी से जुड़ी दिलचस्प बात भी बताई थी। हालांकि, अलग-अलग इंटरव्यू में उन्होंने इस बारे में अलग बयान दिए हैं। शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना की जोड़ी उस दौर की चर्चित जोड़ियों में थी। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया। एक हालिया बातचीत में शर्मिला ने बताया था कि आराधना के दौरान वह प्रेग्नेंट थीं।

राजेश के साथ खूब पसंद की गई जोड़ी

शर्मिला टैगोर का जन्म 8 दिसंबर 1944 को हुआ था। ऐसे में 1969 में उनकी उम्र करीब 24-25 साल थी। इतनी कम उम्र में वह हिंदी सिनेमा की बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल हो चुकी थीं। आराधना ने उन्हें स्टारडम की नई ऊंचाई दी। उनकी जोड़ी राजेश खन्ना के साथ खूब पसंद की गई। धर्मेंद्र के साथ भी उन्होंने कई यादगार फिल्में कीं। 1969 का साल इसलिए भी खास है, क्योंकि एक ही साल में शर्मिला टैगोर ने अलग-अलग कलाकारों के साथ पांच फिल्मों में काम किया। रोमांस से लेकर गंभीर कहानी तक, उन्होंने अपनी अदाकारी के कई रंग दिखाए।

आराधना बड़ी हिट साबित हुई

साल 1969 शर्मिला टैगोर के लिए काफी व्यस्त रहा। उनकी फिल्म 'आराधना' में उनके साथ राजेश खन्ना थे। फिल्म का निर्देशन शक्ति सामंत ने किया था। आराधना बड़ी हिट साबित हुई। इस फिल्म के लिए शर्मिला टैगोर को फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला। फिल्म को उस साल की सबसे बड़ी सफल फिल्मों में गिना गया। इसी साल वह 'सत्यकाम' में धर्मेंद्र के साथ नजर आईं। फिल्म का निर्देशन ऋषिकेश मुखर्जी ने किया था। इसमें अशोक कुमार और संजीव कुमार भी अहम भूमिकाओं में थे। इसके अलावा 'यकीन' में भी उनकी जोड़ी धर्मेंद्र के साथ बनी। फिल्म का निर्देशन बृज सदाना ने किया था। 'तलाश' में शर्मिला के साथ राजेंद्र कुमार थे। वहीं 'प्यासी शाम' में वह सुनील दत्त और फिरोज खान के साथ नजर आईं। 'प्यासी शाम' 23 दिसंबर 1969 को रिलीज हुई थी।

दोनों हिट फिल्मों में थी 'जुम्मा गर्ल' हीरोइन

गोविंदा की 1989 में रिलीज हुई थीं 14 फिल्में, 2 सुपरहिट और 12 फ्लॉप

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

एक दौर था जब बॉलीवुड में किसी स्टार की साल में 3 या 4 फिल्में रिलीज होना भी बड़ी बात मानी जाती थी। लेकिन, 80 के दशक के आखिर में एक ऐसा चेहरा था, जो हर कुछ दिनों में बड़े पर्दे पर नजर आ रहा था। सिनेमाघरों के बाहर उसके पोस्टर बदलते थे, लेकिन नाम वही रहता था। ऐसा लग रहा था कि ये साल पूरी तरह उसी स्टार के नाम होने वाला है। फिर जब पूरे साल का हिसाब हुआ, तो नतीजा ऐसा निकला जिसने हर किसी को चौंका दिया। सिर्फ 26 साल के गोविंदा की 1989 में बैक टू बैक 14 फिल्में रिलीज हुईं, लेकिन इनमें सिर्फ 2 सुपरहिट बन सकीं। सबसे दिलचस्प बात ये रही कि दोनों हिट फिल्मों में उनके साथ वही हीरोइन थीं, जिन्हें बाद में पूरी दुनिया 'जुम्मा गर्ल' के नाम से पहचाना गया।

आखिर कौन थीं वो 'जुम्मा गर्ल'

जिस हीरोइन ने गोविंदा की दोनों सुपरहिट फिल्मों में काम किया, वो थीं किमी काटकर। बाद में अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म हम के सुपरहिट गाने जुम्मा चुम्मा दे दे ने उन्हें 'जुम्मा गर्ल' की पहचान दिलाई। दिलचस्प बात ये है कि 1989 उनके लिए भी काफी बिजी साल था और उनकी कई फिल्में उसी दौरान रिलीज हुई थीं।

सिर्फ 2 फिल्मों ने बदली पूरी कहानी

जब लगातार फिल्में उम्मीद के मुताबिक नहीं चलीं, तब साल की दो फिल्मों ने पूरा खेल बदल दिया। पहली फिल्म थी गैर कानूनी, जिसमें गोविंदा के साथ श्रीदेवी, शशि कपूर और किमी काटकर नजर आईं। दूसरी थी जैसी करनी वैसी भरनी, जिसमें गोविंदा और किमी काटकर की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुईं और गोविंदा के करियर को बड़ा सहारा मिला।

एक साल में 14 फिल्मों का रिकॉर्ड

1986 में फिल्मी सफर शुरू करने वाले गोविंदा ने बहुत कम वक्त में खुद को बॉलीवुड के सबसे बिजी कलाकारों में शामिल कर लिया था। 1989 में उनकी 14 फिल्में फर्ज की जंग, जेंटलमैन, दो कैदी, आखिरी बाजी, पाप का अंत, घराना, बिल्लू बादशाह, जंगबाज, आसमान से ऊंचा, ताकतवर और दूसरी फिल्में रिलीज हुईं। एक कलाकार के लिए एक ही साल में इतनी फिल्में रिलीज होना अपने आप में बड़ी बात थी, लेकिन इनमें से ज्यादातर फिल्में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब नहीं हो सकीं।

फ्लॉप फिल्मों के बाद भी नहीं रुकी रफ्तार

12 फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद भी गोविंदा ने हार नहीं मानी। अगले ही साल उन्होंने स्वर्ग जैसी बड़ी हिट दी और फिर राजा बाबू, कुली नंबर 1 और हीरो नंबर 1 जैसी फिल्मों के साथ 90 के दशक के सबसे बड़े कॉमेडी स्टार बन गए। यही वजह है कि 1989 आज भी उनके करियर का सबसे अनोखा और यादगार साल माना जाता है।

विश्व उद्यमिता दिवस कार्यशाला में छात्रों को उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्टअप का व्यावहारिक ज्ञान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल तथा अर्थशास्त्र एवं वित्तिवभाग के संयुक्त तत्वाधान में विद्यार्थियों को उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में नए अवसरों की पहचान और उन्हें सफल व्यवसाय में बदलने के उद्देश्य से 'अवसर की संरचना: नए उद्यमों की अवधारणा, सत्यापन और गठन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्लेसमेंट सेल के समन्वयक डॉ. संदीप अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों में केवल नौकरी प्राप्त करने की सोच के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर पैदा करने की क्षमता भी विकसित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्यमिता विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने तथा अपने नवीन विचारों को वास्तविक व्यवसाय में बदलने का अवसर प्रदान करती हैकार्यक्रम में श्रीमती मोक्ष श्रीवास्तव, इन्क्यूबेशन मैनेजर तथा श्री महेश श्रीवास्तव, लीगल एवं फाइनेंस मैनेजर एवं स्टार्टअप कंसल्टेंट ने

विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव एवं महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नए व्यावसायिक अवसरों की पहचान, व्यावसायिक विचारों की अवधारणा तैयार करने, विचारों का सत्यापन करने तथा नए उद्यम की उचित संरचना तैयार करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को यह समझाया कि किसी नए विचार को सफल उद्यम में बदलने के लिए बाजार की आवश्यकता, व्यवहार्यता, वित्तीय योजना तथा उचित व्यवसायिक संरचना को समझना आवश्यक है। प्रो. एम.एम. सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के लिए उद्यमिता एवं स्टार्टअप के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने, नए विचार विकसित करने और उन्हें व्यवसाय के रूप में आगे बढ़ाने में सहायता करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को कार्यक्रम से प्राप्त ज्ञान का उपयोग अपने भविष्य के करियर में करने के लिए प्रेरित किया। अर्थशास्त्र के विभाग अध्यक्ष डॉ शंभू नाथ सिंह ने छात्रों को उद्यमिता हेतु जरूरी बहु कौशल मुखी होने का संदेश दिया। एवं अपने नए विचारों पर कार्य करने, उनकी संभावनाओं का आकलन करने और उन्हें व्यावहारिक रूप से सफल व्यवसाय में परिवर्तित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ अतुल गोयल ने सभी अतिथिओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ फुरकान मलिक, डॉ. शिल्पा मिश्रा, डॉ संजय सिंह, डॉ. अमीषा महुने, डॉ. प्रियल चतुर्वेदी, डॉ. शिखा सोनी, डॉ. जूही गोविंदानी डॉ. बाबिता, डॉ ऋतिक पटेल ,अंकित सिंह, लतिका सिंह, निकिता सिंह, दीपिक एवं कृष आदि उपस्थित रहे।

झांसी में एचपी नव्या की धमाकेदार एंट्रीः लॉन्च के पहले ही दिन 8 नए कनेक्शन!

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के नवीनतम कम्पोजिट एलपीजी सिलेंडर 'एचपी नव्या' ने आज झांसी शहर में जोरदार शुरुआत की। पीतांबरा गैस सर्विस में हुए इस शुभारंभ कार्यक्रम को शहर से भारी प्रतिसाद मिला और उद्घाटन के दिन ही 8 नए एलपीजी कनेक्शन जारी किए गए।

एचपी नव्या को सुरक्षा, सुविधा और आधुनिक डिज़ाइन को भारतीय घरों तक पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में हल्का व जंगरोधी कम्पोजिट बॉडी, पारदर्शी डिज़ाइन (जिससे गैस स्तर एक नज़र में देखा जा सकता है), बेहतर सुरक्षा फीचर्स तथा आधुनिक व आकर्षक लुक शामिल हैं। खास बात यह है कि यह बिना पूर्व एलपीजी कनेक्शन के भी उपलब्ध है, जिससे यह विद्यार्थियों, कामकाजी पेशेवरों, छोटे परिवारों तथा द्वितीय सिलेंडर के रूप में उपयोग करने वालों के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनता है। लॉन्च के दिन की यह शानदार उपलब्धि पीतांबरा गैस सर्विस के समस्त स्टाफ के अथक प्रयासों तथा प्रतिष्ठान के प्रोप्राइटर श्री संजय झा एवं उनके योग्य

पुत्र श्री सार्थक झा के कुशल नेतृत्व का परिणाम है।इस अवसर पर गणमान्य अतिथि गण उपस्थित रहे — श्री प्रमोद कुमार झा (सिटी मजिस्ट्रेट, झांसी), डॉ. आशीष अग्निहोत्री (डिप्टी सीएमओ, झांसी), श्री सुरेंद्र सिंह (चीफ एडिटर, दैनिक जागरण, झांसी), श्री संजय पटवारी (प्रदेश अध्यक्ष, यूपी व्यापार मंडल), श्री मुकेश प्रसाद (एलपीजी प्लांट मैनेजर, उन्नाव, एचपीसीएल) एवं श्री आशुतोष विनय तिवारी (एरिया सेल्स मैनेजर, झांसी, एचपीसीएल)। झांसी एलपीजी सेल्स एरिया के अन्य एचपी गैस वितरक — श्री अखिलेश कुमार, श्री अंकित वैद्य एवं श्री अनिल कुमार — तथा अन्य गणमान्य लोग श्री शुभ गुप्ता, श्री अजय अग्रवाल एवं श्री रोहित मित्तल भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।इस सफल शुभारंभ के साथ, पीतांबरा गैस सर्विस झांसी के नागरिकों को सुरक्षित, स्मार्ट एवं सुविधाजनक एलपीजी समाधान उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

झांसी में भाजपाई जोश : क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का ऐतिहासिक व भव्य स्वागत '

-झमाझम बारिश के बीच बिछाईं पलकें, जेसीबी से बरसे फूल; 200 से अधिक स्थानों पर गूंजे स्वागत के जयघोष

-भाजपा कार्यालय पर ऐतिहासिक स्वागत का कार्यक्रम का समापन हजारों कार्यकर्ता रहे उपस्थित

- क्षेत्रीय अध्यक्ष का मंडल प्रवास एवं भव्य अभिनंदन स्वागत कार्यक्रम

(यंग भारत न्यूज)

झांसी । भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू का जिले में जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान उन्होंने महापुरुषों की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस प्रवास कार्यक्रम मै लगभग 200 स्थानों मै स्वागत का कार्यक्रम आयोजित हुआ ,जिसमें प्रमुख रूप से संघ कार्यालय और भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्वागत मै मानो पल्के बिछाई , महानगर के समस्त पांच मंडल मैं कार्यक्रम क्रमशः इस प्रकार रहा सीपरी मंडल राधे बिहार कॉलोनी से (प्रारंभ), पटेल गार्डन, आवास विकास चौराहा, नारायण गार्डन, रस बहार वाटिका, श्री बाल स्वरूप साहू के निवास, आर्य कन्या चौराहा, रमा बुक डिपो, गुरूद्वारा चौराहा, टण्डन रोड, श्री लालू सिंधी की दुकान (महिला मोर्चा), नगरा ऑटो स्टैंड ।,प्रेमनगर मंडल: गरिया फाटक से (प्रारंभ), चार खंभा चौराहा, प्रेमनगर थाने के पास, शंकर जी का मंदिर (नैनागढ़), कसाई बाबा (आजादपुरा), नहर के पास (बल्लमपुर चौराहा), राजगढ़, हंसारी, श्री पवन गौतम के निवास पर, सारंधा नगर चौराहा।,बबीना विधानसभा के सदर कैंट मंडल: झाँसी होटल (प्रारंभ), श्री देवेन्द्र साहू की दुकान पर, श्री धीरज अग्रवाल की दुकान पर, नारायण चाट, श्री श्याम मंदिर के पास, पानी की टंकी के आगे, सदर थाने के पास, श्री संजय अग्रवाल के निवास पर, जैन मंदिर, श्री ध्रुव अग्रवाल की दुकान पर (समापन), कचहरी चौराहा (अम्बेडकर जी की प्रतिमा, माल्यार्पण) ।शिवाजी नगर मंडल: पत्थर की टाल चुंगी (, बिपिन बिहारी इंटर कॉलेज, मरकज़ मस्जिद (अल्पसंख्यक मोर्चा), बाहर सैंयर गेट, बाहर ओरछा गेट, शांति भवन, गल्ला मंडी तिराहा, हनुमान मंदिर (मेन रोड), शिवाजी नगर (बरगद के पास), नन्द पैलेस (नारायण बाग रोड), अंजनी हनुमान मंदिर, बाहर बड़ागाँव गेट ,शहर मंडल: अंदर बड़ागाँव गेट चौकी साहू समाज मंदिर, श्री अनूप सहगल के निवास पर, मुरली मनोहर मंदिर, मालिनों का

चौराहा, चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमा, सिंधी तिराहा, रानी महल, रानी महल मोड़, मिनर्वा चौराहा, पचौरी मंदिर ।,सिविल लाइन मंडल: गोविंद चौराहा, गोपाल दास परिसर, दीपक डेयरी, गुरूद्वारे के सामने, झोकनबाग गुरूद्वारा, दवा मार्केट, प्रभा होटल, झूलेलाल पार्क, इलाईट चौराहा, नगर निगम गेट, नगर निगम पार्किंग-1, नगर निगम पार्किंग-2, रानी अहिल्याबाई चौक, 'मंगलम', 24 चैम्बर, बीकेडी चौराहा, निरंजन शॉप के पास, मिशन गेट, आयुर्वेदिक कॉलेज, जी.आई.सी. कॉलेज, सिद्धेश्वर मंदिर, स्वामीपुरम कॉलोनी, पीताम्बरा एन्क्लेव, बौद्ध बिहार, पठौरिया चौराहा, पठौरिया-नई बस्ती मोड़, जैन हॉस्पिटल चौराहा, लक्ष्मी ब्रिगेड स्कूल, चांद दरवाजा, आशिक चौराहा, भाजपा कार्यालय

कानपुर बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष का महानगर में भव्य स्वागत

भाजपा कार्यालय में हुआ अभिनंदन

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू के आगमन पर भाजपा कार्यालय पर भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने की एवं संचालन जिला महामंत्री विकास कुशवाहा ,कार्यक्रम की शुरुआत में पार्टी के प्रेरणापुंज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पं. दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अध्यक्ष के स्वागत के लिए हजारों कार्यकर्ताओं ने राधे विहार कालोनी से लेकर सीपरी पुल तक अलग अलग स्थानोंपर , जेसीबी से पुष्प वर्षा , करने से बड़ी माला , कमल के फूल की माला से युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू एवं जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह , विधायक रवि शर्मा ,विधायक राजीव सिंह को पगड़ी बांध कर सम्मानित किया। जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि रामकिशोर साहू ने हमारेझांसी को सबसे ज्यादा समय दिया है। क्षेत्रीय अध्यक्ष कुशल संगठक रहे हैं। यह हम सभीनकार्यकर्ताओं के लिए गौरव का छड़ हैंकी क्षेत्रीय अध्यक्ष झांसी से है ,और यह ऐतिहासिक भी है ,उन्होंने क्षेत्रीय अध्यक्ष को विश्वास दिलाये आगामी समय मै झांसी के कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में संगठन के कार्यक्रम मै सर्वप्रथम स्थान पाएंगे । क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं स्वागत से अभिभूत हूँ। पार्टी के कार्यकर्ताओं का महत्व संगठन में सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि संगठन ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे मैं पूरी निष्ठा से निभाऊंगा। कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। टिकट मांगना हर कार्यकर्ता का अधिकार है लेकिन अगर टिकट नहीं मिलता है तो उसका दायित्व है कि जिसे भी टिकट मिले, उसके पक्ष में कार्य करे। 2027 का चुनाव हमारे सामने है, इसलिए हर कार्यकर्ता अपनी पूरी ताकत से संगठन का कार्य करे।

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने महापुरुषों की प्रतिमाओं को किया नमन

भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू ने महापुरुषों की प्रतिमाओं को नमन किया। जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं का हुजूम विरधा समस्त स्वागत कार्यक्रम मै उमड़ा। यहां क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू को फूलों से लाद दिया गया। इसके बाद संघ कार्यालयपर कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। फिर इलाइट के पास से नगर निगम गेट पर महापौर बिहारीलाल आर्य के नेतृत्व में स्वागत किया गया।

क्षेत्रीय अध्यक्ष ने महापुरुषों की प्रतिमाओं को किया नमन

भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू ने महापुरुषों की प्रतिमाओं को नमन किया। जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ताओं का हुजूम विरधा समस्त स्वागत कार्यक्रम मै उमड़ा। यहां क्षेत्रीय अध्यक्ष रामकिशोर साहू को फूलों से लाद दिया गया। इसके बाद संघ कार्यालय पर कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। फिर इलाइट के पास से नगर निगम गेट पर महापौर बिहारीलाल आर्य के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ,विधायक रवि शर्मा ,विधायक राजीव सिंह ,जिला पंचायत अध्यक्ष पवन गौतम , महापौर बिहारीलाल आर्य , निवर्तमान जिलाध्यक्ष हेमंत परिहार ,पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष सोनी ,मुकेश मिश्रा ,प्रदीप सरावगी ,ब्लॉक प्रमुख राजकंतेश वर्मा ,महामंत्री विकास कुशवाह ,अरविंद राजपूत , संजीव अग्रवाल लाला,अमर सिंह कुशवाहा , अभिषेक जैन , कपिल बिरसेनिया, ममता लश्करी ,मीनू राजावत, विनीत खटीक, अनिरुद्ध दुबे, पलविंदर नंदा ,प्रियांशु डे, मोहित पोरवाल,चेतन ओझा, शैलेंद्र परमार, मंगल श्रीवास्तव,अंकित साहू ,रंजीत साहू, शैलेंद्र प्रताप सिंह ,कमलेश परिहार, विशाल दीक्षित ,बंटी राज बुंदेला , सुनील नैनवानी, लखन कुशवाहा,सुनील सिंह भदौरिया , सत्यम यादव ,शिव यादव,अनुज नीखरा, निर्मल कुशवाहा, दिलीप पुरी, रूपेश नायक, धर्मेंद्र अहिरवार, रवि राजपूत, बिरजू कुशवाहा, राजेश पाल, रवि राजपूत , धीरज गोस्वामी, रोहित गोठनकर भूपेन्द्र ,प्रीति माहौर,सुमन पुरोहित, मुकेश मौर्य ,प्रदीप फौजी ,विनोद कुशवाह , गोकुल दुबे , अमित साहू पूर्व जिला महामंत्री, दुष्यंत चतुर्वेदी ,मनीष तिवारी,पूर्व उपसभापति प्रियंका साहू ,आदर्श गुप्ता ,नीरजा गुप्ता ,श्वेता पराशर ,सीमा शर्मा ,नवनीत दीक्षित, पूनम नामदेव , प्रतिमा कुलकर्णी,श्यामली सिंह, वैष्णवी सिंह, नूपुर पाठक ,कविता शर्मा ,ममता चौरसिया ,कुसुम कुशवाहा ,अंजू सिंह, ,अमित खटीक ,सौरभ बाजपेयी ,रतन कुशवाहा,भूपेंद्र आर्य ,श्याम पुरी, राहुल कुशवाहा,प्रणय अग्रवाल ,शुभम बनर्जी,मुकुल द्विवेदी ,मनीष तिवारी ,अमित राय ,सौरभ मिश्रा ,धर्म करोसिया , एडवोकेट छोटे लाल वर्मा ,विकास शर्मा आदि समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश के नाम खुला पत्र

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह का बयान

विषय: आरक्षण की समीक्षा हो - प्रतिभा का सम्मान हो - युवा को न्याय मिले

हरि प्रेम स्मरणम

मेरे

प्यारे देशवासियों, किसान, नौजवान, माताओं-बहनों,

देश का जेन जी सड़को पर

हक अधिकार मांग रहा

आज 25 नवंबर 1949 को याद करने का दिन है।

संविधान सभा की अंतिम बैठक में पूज्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने स्पष्ट कहा था -

> 'यदि किसी वर्ग का विकास हो जाए, तो अगली पीढ़ी को आरक्षण का लाभ नहीं लेना चाहिए। आरक्षण अस्थायी व्यवस्था है, स्थायी नहीं।'

बाबा साहब का सपना था - 10 साल में समता आएगी।

लेकिन 75 साल बाद भी भेदभाव के कुचक्र ने आरक्षण को वोट बैंक का हथियार बना दिया।

मा पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय

अटल जी ने भी चेताया था कि-> 'सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी, मगर ये देश रहना चाहिए। सरकार सब एक सी होती है - वादा कुछ, करती कुछ।'

आज वही हो रहा है।

आज की कड़वी सच्चाई:

1. युवा सड़क पर है:

प्रतिभाशाली युवा 90% लाकर भी फेल, और 40% वाला पास। ये कैसा न्याय?

'तिलक, तराजू और तलवार - नहीं सहेगा अत्याचार' अब नारा नहीं, दर्द बन गया है।

40-45 प्रतिशत सवर्ण समाज सनातन योद्धा हिंदुत्व प्रेमी सड़कों पर सरकार चुप्प

2. श्ब्ङ्ख्स में भेदभाव:

श्ब्ङ्ख्स राजस्थान, गुजरात में लागू है, उतर प्रदेश सहित कई राज्यों में कागजों में है। गरीब सवर्ण आज भी न जात का, न पात का - बीच में लटका है।

3. क्रीमी लेयर छोड़ना नहीं चाहता: जो अरबपति बन गए, ढ्ढरू सांसद विधायक मंत्री बन गए - वो भी आरक्षण नहीं छोड़ना चाहते।

गरीब दलित, गरीब पिछड़ा, गरीब

सवर्ण - सब वहीं का वहीं है।

अमीर को और अमीर बनाने वाला आरक्षण बाबा साहब ने नहीं चाहा था।

4. त्नष्ट का काला कानून:

शिक्षा में भी जाति के आधार पर भेदभाव? सुप्रीम कोर्ट ने हमारे पक्ष में स्टे बरकरार रखा है, ये सत्य की जीत है। लेकिन सरकार फिर भी त्नष्ट वापस नहीं ले रही।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की 5 मांग - देश हित में:

1. आरक्षण की समीक्षा हो: बाबा साहब के कथन अनुसार हर 10 साल में समीक्षा आयोग बने।

2. आरक्षण का आधार आर्थिक हो: गरीबी की कोई जात नहीं। जाति नहीं, गरीबी देखो!

3. श्ब्ङ्ख्स पूरे देश में एक समान लागू हो: 50% से ऊपर गरीब सवर्णों को भी सम्मान मिले।

4. क्रीमी लेयर - एक बार आरक्षण, अगली पीढ़ी को नहीं: एक परिवार, एक बार आरक्षण।

5. प्रतिभा का सम्मान हो: शिक्षा और नौकरी में न्यूनतम योग्यता 50% सबके लिए समान हो।

हमारा संकल्प:

हम संविधान के खिलाफ नहीं, संविधान की मूल भावना के साथ हैं।

हम किसी जाति के खिलाफ नहीं, भेदभाव के कुचक्र के खिलाफ हैं।

किसान, नौजवान, प्रतिभाशाली भारत - आइए एक साथ आएं।

क्ब्यरू- तिलक, तराजू, तलवार सबको साथ लेकर चलेगी

जब तमाम सारे आयोग सवर्ण समाज सनातन योद्धा को आयोग चाहिए देश संविधान से चलेगा समानता सद्भाव लाए

कोशिश कर तू, हल निकलेगा,

आज नहीं तो कल निकलेगा।

मेरी बात सरकार तब मीडिया तक पहुंचे लाइक कमेंट शेयर करें

जय हिंद! जय संविधान! जय माँ भवानी!

सादर अभिवादन सहित

निवेदक:

कुंवर हरिवंश सिंह

पूर्व सांसद राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (स्थापना 1897)

9702077777

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा सबसे पहले देश की राजधानी में प्रकाशित किया क्योंकि हम याचिका कर्ता भी है डॉ एपी सिंह यू एस राणा इंजीनियर राममूर्ति त्रिपाठी पर गर्व करिए यह मा कुंवर हरिवंश जी पूर्व सांसद के नेतृत्व में है से पहाड़ी तक नजर आ रहे हमारे कई पदाधिकारी गण सुविधा एवम् दुविधा में है ।

जिंदा हो तो जिंदा नजर आओ

इंजीनियर राममूर्ति त्रिपाठी

एडवाइजर

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

चेकिंग के दौरान 30 बड़े बकाएदारों के बिजली के कनेक्शन काटे,

जालौन-उरई। शनिवार को बिजली निगम की टीम ने बाजार व मोहल्लों में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान 30 बड़े अधिशासी अभियंता पुंष्पदेव के नेतृत्व एसडीओ ऋषभ राजपूत, जेई केके वर्मा के नेतृत्व में बिजली निगम की टीम ने झंडा चौराहा व तकिया के आसपास के अलावा मोहल्ला नारोभास्कर, मुरलीमनोहर, बैठगंज, चौधरयाना, गोविन्देश्वर, बालमभट्ट में सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान बिल में दर्शायी गई रीडिंग व मीटर रीडिंग का मिलान किया गया जिससे मीटर रीडर द्वारा की स्टोर रीडिंग का पता चल सके। टीम ने मीटर से पोल तक जाने वाली केबिल को बारीकी से देखा। टेप पुराने मिलने पर उन पर सील लगाने के निर्देश दिए। टीम बिजली का बिल जमा न करने पर 30 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काट दिए गए। कनेक्शन कटने से बचने के लिए 35 उपभोक्ताओं ने लगभग 3.50 लाख रुपये जमा कर दिए। बिजली विभाग की टीम ने चेकिंग के दौरान उपभोक्ताओं को निर्देश दिए कि वह नियमित बिजली का बिल जमा करें बिजली की बचत में सहयोग करें। जरूरी न होने पर पंखा, कूलर, एसी बंद कर दे। जेई केके वर्मा ने बताया कि बिजली चोरी रोकने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाया जाएगा औरा बिल जमा न होने पर कनेक्शन काटे जाएंगे ।अनावश्यक परेशानी से बचने के लिए समय से बिल जमा करें।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718